श्रावण कृष्ण - 10 | संवत 2082 | वर्ष - 12 | अंक - 350 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » रविवार » 20-07-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल के भविष्य से समझौता कर रही हैं ममता बनर्जी : हिमंत

6 परषोत्तम कुमारः किसान के वेश में वीर योद्धा, मोर्चा संभाला और करवा दिया आतंकवादियों का खात्मा

7 भारत में बहुसंख्यक हिंदुओं के कारण अल्पसंख्यकों को पूरी स्वतंत्रता हासिल है

WANTED LAND
1 to 2 Acres
For LEASE / SALE
with or without
Construction offer
for Starting a
New CBSE School
in & around
Avadi-Kannampalayam, Mettupalayam, Ayalcheri, Sorancheri, Kovilpadhagai, Pattabiram, Ambattur, Thirumullaivoyal and more...
CONTACT:
97907 92881

मुलाकात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य में विकास कार्यों के बारे में बात की। मुलाकात के बाद योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से आज नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट कर उनका आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हृदयतल से आभार प्रधानमंत्री जी! इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मोदी की प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की। सूत्रों के अनुसार योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों और विकास कार्यों के बारे में बातचीत की।

कोई भी ताकत भारत को निर्देश नहीं दे सकती : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोगों को किसी आख्यान से प्रभावित नहीं होना चाहिए क्योंकि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है। धनखड़ ने कहा कि इस देश में सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि भारत आपसी सहयोग से काम करता है, परस्पर सम्मान रखता है और अन्य देशों के साथ कूटनीतिक संवाद करता है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अंततः हम संप्रभु हैं, हम अपने फैसले खुद लेते हैं।''

धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया भारत-पाकिस्तान झड़प में 'संघर्ष विराम' कराने के दावे पर सरकार से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है।

उन्होंने यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा के प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, ''बाहरी आख्यानों से निर्देशित न हों। इस देश में, एक संप्रभु राष्ट्र में, सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं। दुनिया में ऐसी कोई ताकत नहीं है जो भारत को यह निर्देश दे कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है।''

उपराष्ट्रपति ने क्रिकेट की शब्दावली में कहा कि हर खराब गेंद को खेलना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''क्या इस बात पर माथापच्ची करने की जरूरत है कि किसने क्या कहा? जो क्रिकेट पिच पर अच्छे रन बनाता है, वह हमेशा खराब गेंदें छोड़ता है। वे लुभाने वाली होती हैं, लेकिन कोशिश नहीं की जातीं। और जो कोशिश करते हैं, उनके लिए आपके पास विकेटकीपर और गली में किसी के दस्ताने होते हैं।''

फर्स्ट टेक

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण शनिवार को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है।

तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटी हैदराबाद-फुकेट एआई एक्सप्रेस उड़ान

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद से फुकेट जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 110) शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद अपने मूल स्थान पर वापस लौट आई। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 सुबह 6.57 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया जिसमें 98 यात्री सवार थे। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमारा एक विमान तकनीकी समस्या के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद हैदराबाद लौट आया। चालक दल ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए विमान को वापस लेकर आने का निर्णय लिया।

नकारात्मक राजनीति कर रही है कांग्रेस : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/रुद्रपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर ऐसे समय में नकारात्मक राजनीति करने का शनिवार को आरोप लगाया, जब उत्तराखंड विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने साथ ही विपक्षी दल को सलाह दी कि यदि उसे अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे अपनी इस आदत से बाज आना चाहिए।

शाह ने केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकारों की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कांग्रेस के एक नेता द्वारा सोशल मीडिया पर की गई उस पोस्ट की भी आलोचना की, जिसमें केंद्रीय मंत्री से कहा गया था कि वह लोगों को यह बताए बिना वापस न लौटें कि भाजपा सरकार ने राज्य के लिए क्या किया है।

केंद्रीय मंत्री ने उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''कांग्रेस हमेशा नकारात्मक राजनीति करती है, खासकर जब उत्तराखंड में विकास हो रहा हो। यह ऐसा है जैसे कोई दूध में नींबू निचोड़ दे, ताकि वह खट्टा हो जाए।''

शाह ने कहा, ''सभी राजनीतिक दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे अपने मतभेदों से ऊपर उठकर विकास के समर्थन में एकजुट हों। लेकिन कांग्रेस नकारात्मक राजनीति करती रहती है।'' उन्होंने कांग्रेस को प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना बंद करने की सलाह दी।

शाह ने राज्य के कांग्रेस नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा, ''हवन में हड्डियां मत डालो। यदि आप नहीं रुके, तो आपमें से जो कुछ लोग तस्वीर में बचे हैं, वे दूरबीन की मदद से भी दिखाई नहीं देंगे।'' उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी ने पद छोड़ा था, तब भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था।

रूस ने यूक्रेन पर 300 से अधिक ड्रोन से हमले किए

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार रात यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन से एक बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही, तीन साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करने के प्रयास सफल होने की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने 300 से अधिक ड्रोन से हमले किये और 30 से अधिक क्रूज मिसाइलें दागीं। शहर के मेयर हेन्नादी ट्रूखानोव ने शनिवार को 'टेलीग्राम' पर बताया कि रूसी सेना द्वारा काला सागर के तट पर स्थित ओडेसा शहर में 20 से अधिक ड्रोन और एक मिसाइल से किये गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक ऊंची आवासीय इमारत में आग लग गयी। जेलेंस्की के अनुसार, ओडेसा पर हुए हमले में एक बच्चे सहित छह अन्य लोग घायल हो गए तथा यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

स्वर्ण मंदिर को आठवीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली

अमृतसर/भाषा। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को शनिवार को स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक और ई-मेल मिला। चौदह जुलाई के बाद से यह आठवीं ऐसी धमकी है। ऐसी धमकियों के मद्देनजर पवित्र सिख तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। मंदिर के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी परिसर में गश्त कर रहे हैं। अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज ने अब तक अपराधियों की पहचान करने में केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की विफलता पर सवाल उठाये हैं। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि जांच जारी है। इस मामले में हिरासत में लिये गये एक संदिग्ध शुभम दुबे से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण में समय लगता है। उन्होंने कहा कि संदिग्धों की जल्द ही पहचान कर ली जायेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का दावा

मेरे विरोधी मुझे बम से उड़ाने की साजिश कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंगेर (बिहार)/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में एक रैली में सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि उन्हें ''तोड़ने'' की कोशिश कर रहे उनके विरोधी बम से उड़ाने की ''साजिश'' कर रहे हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने यह बयान मुंगेर जिले में दिया और अपने अलग हुए चाचा पशुपति कुमार पारस के अलावा लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा। हालांकि, उन्होंने अपने किसी भी विरोधी का नाम नहीं लिया।

हाजीपुर के सांसद ने कहा, ''कई लोग चिराग पासवान के 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' नारे से नाराज हैं, जो उनकी जातिवादी राजनीति की जड़ों पर प्रहार करता है। ऐसे लोगों ने सत्ता में रहते हुए राज्य को गरीबी और पिछड़ेपन में धकेला था और अब विधानसभा चुनाव से पहले, वे झूठे वादों से लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं।''

पासवान की टिप्पणी प्रसाद के छोटे बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को लक्षित मानी जा सकती है।

पारस द्वारा (लोजपा) में कराये गए विभाजन के परिणामस्वरूप, अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में अलग-थलग पड़ गए पासवान ने उन दिनों के बारे में भी बताया, जब उन्हें राजनीतिक वनवास में रहना पड़ा था। हालांकि, पिछले साल लोकसभा चुनावों के दौरान गठजोड़ की पेशकश के साथ भाजपा ने उन्हें अपने साथ कर लिया।

उन्होंने कहा कि चिराग पासवान के विरोधियों ने हमेशा उन्हें रोकने की कोशिश की है, उनकी पार्टी को तोड़ दिया और बाद में उन्हें उनके घर से घसीट कर बाहर निकाल दिया, उन्हें सड़कों पर अपने हाल पर छोड़ दिया, लेकिन चिराग पासवान को कुछ भी नहीं तोड़ सका।

शराब 'घोटाला' मामले में वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी गिरफ्तार

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने शनिवार को वाईएसआरसीपी के लोकसभा सदस्य पीवी मिधुन रेड्डी को पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान हुए कथित 3,200 करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार कर लिया। कथित शराब घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को मिधुन रेड्डी से कई घंटों तक पूछताछ की और इसके बाद शाम करीब 7:30 बजे विजयवाड़ा में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गृहमंत्री वांगलापुडी अनिता ने फोन पर 'पीटीआई भाषा' को बताया, हां (उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है)। उन्हें अदालत में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है। मिधुन रेड्डी आंध्र प्रदेश में राजमपेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वाईएसआरसीपी नेता आज जांच में शामिल होने के लिए विजयवाड़ा पहुंचे और उनसे पूछताछ अन्य आरोपियों (धनुंजय रेड्डी, कृष्ण मोहन रेड्डी और बालाजी गोविंदप्पा) की गिरफ्तारी के बाद हुई।

20-07-2025 सूर्यास्त 6:38 बजे	21-07-2025 सूर्योदय 5:51 बजे
BSE 81,757.73 (-501.52)	NSE 24,968.40 (-143.05)
सोना 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 127,000 रु. प्रति किलो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया

भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

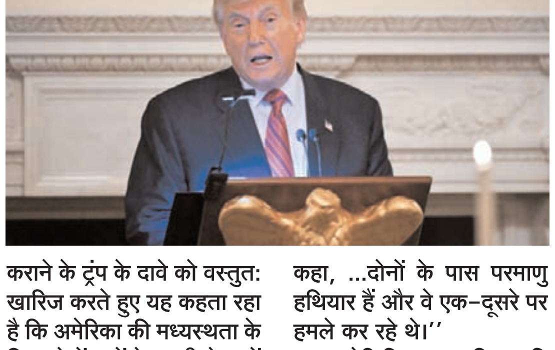

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए।

साथ ही उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव उनके हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के लिए शुक्रवार को आयोजित रात्रिभोज के दौरान अपनी टिप्पणी में यह स्पष्ट नहीं किया कि किसी एक पक्ष के विमान मार गिराए गए या फिर वह दोनों पक्षों के नुकसान की बात कर रहे थे।

भारत सैन्य टकराव समाप्त कराने के ट्रंप के दावे को वस्तुत: खारिज करते हुए यह कहता रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता के बिना दोनों पक्षों ने अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाइयां रोकीं।

ट्रंप ने कहा, एक तरफ भारत और दूसरी ओर पाकिस्तान था। दोनों के बीच सैन्य टकराव जारी था। विमान मार गिराए जा रहे थे... चार या पांच विमान। मुझे लगता है कि वास्तव में पांच विमान मार गिराए गए थे... हालात बद से बदतर होते जा रहे थे, है ना?'' उन्होंने कहा, ...दोनों के पास परमाणु हथियार हैं और वे एक-दूसरे पर हमले कर रहे थे।''

अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी पर भारत की तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भारत ने हालांकि संघर्ष के दौरान विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन उसने इसका ब्यौरा देने से परहेज किया। वहीं, पाकिस्तान बिना कोई सबूत दिए यह दावा कर रहा है कि उसने छह भारतीय विमान मार गिराए हैं। भारतीय सेना ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

ब्रिक्स नाम का छोटा समूह डॉलर पर प्रभुत्व तोड़ने की कोशिश कर रहा : ट्रंप

ट्रंप ने दस दिनों में दूसरी बार ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका को 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है।

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स को एक 'छोटा समूह' बताते हुए दावा किया कि यह 'डॉलर के प्रभुत्व' को तोड़ना चाहता है। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि यदि ब्रिक्स के सदस्य राष्ट्र ऐसा करते हैं, तो वे उन पर 10 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। ट्रंप ने दस दिनों में दूसरी बार ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका को 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''...आपके पास ब्रिक्स नाम का एक छोटा सा समूह है। इसकी चमक तेजी से फीकी होती जा रही है, लेकिन ब्रिक्स डॉलर का प्रभुत्व, मानक मुद्रा का दर्जा तोड़ने की कोशिश कर रहा है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'जीनियस एक्ट' पर हस्ताक्षर करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, '' मैंने कहा कि ब्रिक्स देशों के समूह में शामिल किसी भी देश पर हम 10 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।'' 'जीनियस एक्ट' पहला क्रिप्टोकरेंसी विधेयक है, जिसे अमेरिकी विधायिका ने मंजूरी दी है। यह स्थिर क्रिप्टोकरेंसी के लिए नियामक ढांचा स्थापित करता है।

ट्रंप के दावे पर राहुल ने कहा

मोदी जी पांच जहाजों का सच क्या है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष का दौरान ''पांच लड़ाकू विमानों के गिराए जाने'' संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को लेकर शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि पांच जहाजों का सच क्या है क्योंकि यह जानना देश का हक है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब इस बारे में संसद के भीतर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

ट्रंप ने कहा कि इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान ''पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए''। उन्होंने अपना यह दावा भी फिर दोहराया कि उनके हस्तक्षेप के बाद यह संघर्ष खत्म हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या विमान दोनों देशों में से किसी एक ने खोए या क्या वह दोनों पक्षों के संयुक्त नुकसान का जिक्र कर रहे थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी जी, 5 जहाज़ों का सच क्या है? देश को जानने का हक है।''

कांग्रेस नेता रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले, 'ट्रंप मिसाइल' 24वीं बार दागी गई और हर बार की तरह इस बार भी वही दो बातें दोहराई गईं।'' उन्होंने ट्रंप के बयान का उल्लेख करते हुए कहा, ''अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध रुकवा दिया। अगर युद्ध जारी रहता तो कोई व्यापार समझौता नहीं होता। यानी भारत और पाकिस्तान को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते के लिए तत्काल संघर्षविराम को मानना पड़ा।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

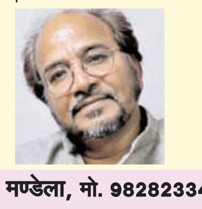

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

तेलंगाना के काजीपेट रेल कोच कारखाने में उत्पादन अगले साल से: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तेलंगाना के काजीपेट में बनने वाले रेल कोच कारखाने में उत्पादन अगले साल शुरू हो जाएगा।

हैदराबाद से लगभग 130 किलोमीटर दूर काजीपेट स्थित इस कारखाने का दौरा करने वाले वैष्णव ने कहा कि यह एक विशाल, अत्याधुनिक कारखाना है जिसका निर्माण 500 करोड़ रुपए के निवेश से किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि इस इकाई में कोच, इंजन और अन्य कलपुर्जों का निर्माण किया जा सकता है, जिसे विभिन्न प्रकार के रेलवे विनिर्माण को समर्थन देने के लिए डिजाइन किया गया है। इस कारखाने में दुनिया के बेहतरीन डिज़ाइनों में से एक डिज़ाइन है और वहां निर्मित उत्पाद निर्यात-योग्य गुणवत्ता के होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काजीपेट में कोच विनिर्माण कारखाने की तेलंगाना की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर रहे हैं। भारतीय रेलवे को 150 इंजनों के निर्यात का ऑर्डर मिलने का उल्लेख करते हुए, वैष्णव ने कहा कि मेट्रो कोचों के निर्यात पर भी काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, भविष्य में भारत एक प्रमुख रेलवे विनिर्माण और निर्यातक देश के रूप में उभरेगा। वैष्णव के साथ मौजूद केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने काजीपेट में इकाई स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री को धन्यवाद दिया। रेलवे कोच कारखाना स्थापित करने की मांग 40 साल से भी ज़्यादा पुरानी है और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, जो वर्तमान तेलंगाना (तब हैदराबाद राज्य का हिस्सा) के मूल निवासी थे, ने भी इस दिशा में प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान भी यह मांग दोहराई गई थी और अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह कारखाना वास्तविकता बना है।

एआई विमान दुर्घटना संबंधी खबरें अपरिपक्व, एएआईबी जांच का पूरा समर्थन करेंगे : एनटीएसबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा है कि बोर्ड एयर इंडिया विमान दुर्घटना की एएआईबी जांच का समर्थन करना जारी रखेगा और घटना के बारे में खबरें अपरिपक्व और अटकलों पर आधारित हैं।

अहमदाबाद से 12 जून को लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान एक इमारत से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें जमीन पर मारे गए 19 लोग भी शामिल हैं। विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक यात्री जीवित बच सका था। बारह जुलाई को, वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने इस दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की।

होमेंडी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 से संबंधित दुर्घटना पर हाल की मीडिया खबरें अपरिपक्व और अनुमान पर आधारित हैं। भारत के वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने अभी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांचों में समय लगता है।''

यह टिप्पणी एएआईबी के उस बयान के कुछ दिन बाद आई हैं, जिसमें कहा गया था कि दुर्घटना के कारणों पर निर्णायक निष्कर्ष पर पहुंचना अभी बहुत जल्दी है, क्योंकि जांच अब भी जारी है और सभी से आग्रह किया गया था कि वे अपरिपक्व विमर्श न फैलाएं। होमेंडी ने यह भी कहा कि एनटीएसबी पूरी तरह से एएआईबी की सार्वजनिक अपील का समर्थन करता है और उसकी जारी जांच में समर्थन जारी रखेगा। उन्होंने शनिवार को पोस्ट किया, ''जांच संबंधी सभी सवालों को एएआईबी को ही संबोधित किया जाना चाहिए।'' कुछ खबरों में यह भी इशारा किया गया है कि पायलट की गलती के कारण एयर इंडिया का विमान (वीटी-एएनबी) दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उड़ान संख्या एआई 171 संचालित थी। वीटी-एएनबी एयर इंडिया के एक विशिष्ट विमान (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) के पंजीकरण कोड को दर्शाता है।

भारत का चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 2.85 प्रतिशत बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का चाय निर्यात सालाना आधार पर 2.85 प्रतिशत बढ़कर 25.79 करोड़ किलोग्राम हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

वित्त वर्ष 2023-24 में देश का चाय निर्यात 25.07 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय बोर्ड के हालिया आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 16.12 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14.90 करोड़ किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी प्रकार, आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण भारत से निर्यात 2024-25 में 4.92 प्रतिशत घटकर 9.67 करोड़ किलोग्राम रह गया, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 10.17 करोड़ किलोग्राम था। प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 258.30 रुपए से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कैलेंडर वर्ष 2024 में चाय निर्यात 25.62 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 15.55 करोड़ किलोग्राम रहा, जबकि दक्षिण भारत से यह 10.07 करोड़ किलोग्राम रहा, जो क्रमशः 10.28 प्रतिशत और 11.02 प्रतिशत की वृद्धि है।

ठाणे में निर्माण स्थल पर खुदाई में नक्काशीदार पत्थर के टुकड़े मिले

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक निर्माण स्थल पर खुदाई के दौरान नक्काशीदार पत्थरों के टुकड़े मिले, जो संभवत: प्राचीन स्तंभों के हिस्से हैं। इसके बाद अधिकारियों ने इनकी जांच के आदेश दिए।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ये अवशेष बृहस्पतिवार को टेंभी नाका इलाके में आनंद आश्रम के पास एक निजी भूखंड पर निर्माण कार्य के दौरान मिले जिसके बाद काम रोक दिया गया है। कुछ समय पहले इसी क्षेत्र में प्राचीन सिद्धेश्वर मंदिर में खुदाई के दौरान एक दुर्लभ ब्रह्मा प्रतिमा मिली थी। अब यहां नक्काशीदार पत्थर के टुकड़े मिले हैं।

खुदाई में ये पत्थर निकलने के बाद स्थानीय विरासत प्रेमी कैलास महापदी ने जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे को इनकी जानकारी दी और उनसे इन अवशेषों के संरक्षण के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। कलेक्टर ने इसके बाद पुरातत्व विभाग को उनकी प्रकृति और उत्पत्ति की जांच करने का निर्देश दिया। महाराष्ट्र पुरातत्व एवं संग्रहालय के निदेशक तेजस गर्गे ने इस बारे में 'पीटीआई भाषा' को बताया कि उन्होंने अधिकारियों को इन अवशेषों की जांच करने का निर्देश दिया है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पिछले 11 वर्षों में आठ गुना वृद्धि के साथ 40 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़ गया है।

आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, वैष्णव ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तेज प्रगति का जिक्र भी किया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि इस साल व्यावसायिक स्तर पर पहली भारत में बनी सेमीकंडक्टर चिप आएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों में एक बनने की राह पर है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, ''महज 11 वर्षों में, हमने अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को छह गुना बढ़ा दिया है। यह दोहरे अंकों की वृद्धि है। हमने अपने निर्यात को आठ गुना बढ़ाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है।'' उन्होंने कहा कि यह वृद्धि की अभूतपूर्व गति है, जो बहुत कम देशों ने पहले कभी देखी है।

पंजाब : आप विधायक अनमोल गगन मान ने दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता अनमोल गगन मान ने पंजाब विधानसभा की सदस्यता से रविवार को इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्होंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। अनमोल गगन मान (35) खरड़ विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अपने इस्तीफे के बारे में जानकारी दी और उन्होंने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां से उनका इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह किया है।

मान ने 'एक्स' पर पंजाबी में एक पोस्ट में कहा, ''मैंने भारी मन से राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से अध्यक्ष को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''पार्टी के साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।'' गायिका से नेता बनीं मान ने यह नहीं बताया कि उन्होंने यह निर्णय क्यों किया। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने पंजाब में 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में खरड़ सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार रंजीत सिंह गिल को 37,885 मतों के अंतर से हराया था। मानसा जिले की रहने वाली मान जुलाई 2020 में 'आप' में शामिल हुई थीं। उन्हें बाद में 'आप' की युवा शाखा का सह-अध्यक्ष बनाया गया था। प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले मान ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की प्रशंसा में आम आदमी पार्टी के लिये एक प्रचार गीत भी गाया था। मान मंत्री भी बनी थीं और उन्होंने 'आप' सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति, निवेश प्रोत्साहन, श्रम एवं आतिथ्य विभाग का कार्यभार संभाला। लेकिन पिछले साल भगवंत मान सरकार ने मान समेत चार मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटा दिया था।

न्यायमूर्ति वर्मा के साथ न्यायमूर्ति यादव पर भी महाभियोग चलाने का नोटिस दें: जॉन ब्रिटास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की मांग वाले नोटिस का लगभग सभी दलों द्वारा समर्थन किए जाने के बीच, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता जॉन ब्रिटास ने शनिवार को कहा कि न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग के नोटिस पर भी विचार किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति वर्मा इस वर्ष मार्च में दिल्ली स्थित आवास के बाहरी हिस्से में आधी जली हुई नकदी की बोरियां मिलने के बाद से ही सवालों के घेरे में हैं। उस समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि न तो उन्होंने और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य ने भंडारगृह में मुद्रा जमा की थी। ब्रिटास ने कहा, हमारा मानना है कि न्यायपालिका की अखंडता और पारदर्शिता बनाए रखने की जरूरत है। हम न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के पक्ष में हैं। हमने पहले ही महाभियोग प्रक्रिया का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त कर दी है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग वाला नोटिस भी राज्यसभा के सभापति के पास लंबित है। ब्रिटास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, तथापि, (न्यायमूर्ति) शेखर यादव के संबंध में राज्यसभा के सभापति के पास एक नोटिस लंबित है, उनके सभी बयान भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध थे।

शिंदे ने राज्य में शुरू किया 'निरोगी महिला अभियान'

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को यहां महिला स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 'उपमुख्यमंत्री निरोगी महिला अभियान' की शुरुआत की।

इस अभियान का उद्देश्य बड़े पैमाने पर जांच के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर जैसी बीमारियों का शीघ्र पता लगाना और उनकी रोकथाम करना है।

तीन महीने तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य महाराष्ट्र भर में पांच लाख से ज़्यादा महिलाओं की जांच करना है और उनमें गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता लगाना है जो दुनिया भर में महिलाओं को होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। यह पहल ठाणे नगर निकाय, रोटरी क्लब और आदित्य बिड़ला कैपिटल फ़ाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित की जा रही है। इस अवसर पर शिंदे ने कहा, ''अपनी बहनों को स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य है।''

'मेक इन इंडिया' के नाम पर हो रही असेंबलिंग, जमीनी बदलाव की जरूरत : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि देश में 'मेक इन इंडिया' के नाम पर सिर्फ असेंबलिंग हो रही, असली विनिर्माण नहीं हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोज़गार, विकास और 'मेक इन इंडिया' की बातें सिर्फ भाषण ही रहेंगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में टेलीविजन निर्माण से संबंधित एक फैक्टरी का दौरा किया था। उन्होंने इसका एक वीडियो अपने 'एक्स' हैंडल और दूसरे सोशल मीडिया मंच पर साझा किया। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ''क्या आप जानते हैं कि भारत में बने ज्यादातर टीवी का 80 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है? 'मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबल कर रहे हैं- असली विनिर्माण नहीं। आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते हैं, हम बस जोड़ते हैं।'' उन्होंने कहा, ''छोटे उद्यमी निर्माण करना चाहते हैं, लेकिन न नीति है, न सहयोग। उल्टा, भारी कर और चुने हुए कॉरपोरेट का एकाधिकार है, जिसने देश के उद्योग को जकड़ रखा है।''

राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया, ''जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोज़गार, विकास और 'मेक इन इंडिया' की बातें सिर्फ भाषण रहेंगी।'' उन्होंने कहा कि जमीनी बदलाव चाहिए ताकि भारत असेंबली लाइन से निकलकर असली विनिर्माण शक्ति बने और चीन को बराबरी की टक्कर दे सके।

दिल्ली में 80 साल पुराने पानी के पाइपलाइन बदले जाएंगे : प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

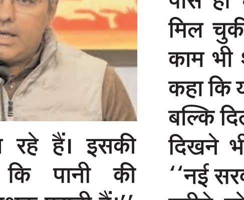

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को बताया कि राजधानी की पुरानी जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरस्त करने के लिए सरकार 'वाटर मास्टर प्लान' के तहत पानी के पुराने पाइपलाइनों को बदलेगी।

अपने विधानसभा क्षेत्र की यात्रा के दौरान मंत्री ने पाइपलाइनों को 40 से 80 साल पुराना बताते हुए कहा कि यही कारण है कि कई इलाकों में गंदे पानी की समस्या और जल आपूर्ति में बाधा आ रही है।

वर्मा ने कहा, ''दिल्ली में कई ऐसी जगहें हैं जहां लोग गंदे पानी की समस्या झेल रहे हैं। इसकी वजह यह है कि पानी की पाइपलाइन कई दशक पुरानी हैं।''

मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बुनियादी ढांचे से संबंधित कोई सुधार नहीं किया। उन्होंने कहा, ''उन्होंने एक भी नई पाइपलाइन नहीं बिछाई।'' आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से इस पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार पहले ही इस दिशा में ठोस कदम उठा चुकी है। उन्होंने कहा, ''बजट पास हो चुका है, टेंडर को मंजूरी मिल चुकी है और कुछ इलाकों में काम भी शुरू हो गया है।'' वर्मा ने कहा कि यह केवल घोषणाएं नहीं हैं, बल्कि दिल्ली के कई हिस्सों में काम दिखने भी लगा है। उन्होंने कहा, ''नई सरकार के गठन के सिर्फ पांच महीने पुरे हुए है और अगले एक साल में दिल्ली की सूरत बदल जाएगी।'' उन्होंने सभी परियोजनाओं को समय पर और पारदर्शी ढंग से पूरा करने का भरोसा दिलाया। जनसंपर्क अभियान के तहत वर्मा ने डी-ब्लॉक गोल मार्केट, रकाबगंज स्थित गुरुद्वारा फ्लैट्स और सरोजिनी नगर के टाइप-2 फ्लैट्स का दौरा किया।

राज ठाकरे के बयान के बाद निशिकांत दुबे का पलटवार, दोनों के बीच जुबानी जंग जारी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें हिंदी सिखा दी है। दरअसल, ठाकरे ने दुबे पर पलटवार करते हुए एक कार्यक्रम में हिंदी में कहा, ''आप मुंबई आइए। मुंबई के समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे।'' इससे पहले महाराष्ट्र में भाषा विवाद को लेकर दुबे ने ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा था, ''तुमको पटक पटक के मारेंगे।'' ठाकरे के ताजा बयान के बाद दुबे ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी? 'मराठी मानुष' के मुद्दे पर दबाव बनाने के लिए जाने जाने वाले ठाकरे ने स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा शुरू करने के भाजपा नीत सरकार के फैसले के विरोध में अपने चचेरे भाई और शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ फिर से हाथ मिला लिया है। हालांकि, इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने अपना आदेश वापस ले लिया था।

भारत, अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए 17 जुलाई को वाशिंगटन में पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह वार्ता वाशिंगटन में चार दिन (14-17 जुलाई) तक चली। अधिकारी ने कहा, भारतीय टीम वापस आ रही है। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ये विचार-विमर्श इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जब भारत सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क (26 प्रतिशत) की निलंबन अवधि का अंतिम दिन है।

इस साल दो अप्रैल को, ट्रंप ने इन उच्च जवाबी शुल्कों की घोषणा की थी। उच्च शुल्कों के कार्यान्वयन को तुरंत 90 दिनों के लिए नौ जुलाई तक और फिर एक अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया था क्योंकि अमेरिका कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और वाहन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं और 'स्कॉमेट' (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी) से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। कुछ किसान संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि व्यापार समझौते में कृषि से जुड़े किसी भी मुद्दे को शामिल न किया जाए। भारत इस अतिरिक्त शुल्क (26 प्रतिशत) को हटाने की मांग कर रहा है। वह इस्पात और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत) और वाहन (25 प्रतिशत) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। इनके विरुद्ध, भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के तहत प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा है।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत, भारत को इस समूह से 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और तराशे व पॉलिश किए हुए हीरों जैसे कई उत्पादों पर कम या शून्य शुल्क की अनुमति दी गई है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भारत-ईएफटीए समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड हैं। इस संगठन ने 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसके तहत समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 अरब डॉलर और अगले पांच वर्षों में 50 अरब डॉलर का निवेश होगा, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इस ब्लॉक में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्ज़रलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है।

इस समझौते के तहत, भारत अपनी 82.7 प्रतिशत शुल्क लाइनों या उत्पाद श्रेणियों की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत कवर करती हैं, जिनमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोने का है।

घरेलू ग्राहकों को घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और दीवार घड़ियां जैसे उच्च-गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद कम कीमतों पर उपलब्ध होंगे क्योंकि भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बड़े भाई एम के मुथु का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के दिवंगत मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के बड़े बेटे और राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बड़े भाई एम के मुथु (77) का शनिवार को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। उनके परिवार के लोगों ने यह जानकारी दी। एम के मुथु एक अभिनेता व पार्श्व गायक थे और उन्होंने तमिल फिल्म उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बनाई।

स्टालिन और उनके उपमुख्यमंत्री पुत्र उदयनिधि मुथु को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। वहीं, मदुरै में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंची सांसद बहन कनिमोई यह दुखद समाचार मिलने के बाद चेन्नई के लिए रवाना हो गईं।

राज्य सरकार ने वृद्धावस्था के कारण मुथु के निधन की जानकारी देते हुए कहा कि उनका पार्थिव शरीर दिवंगत करुणानिधि के गोपालपुरम स्थित आवास पर रखा जाएगा ताकि लोग श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनका अंतिम संस्कार आज शाम किया जाएगा।

स्टालिन ने मुथु के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा, ''आज सुबह मेरे प्रिय भाई और 'कलैगनार' (करुणानिधि) परिवार के ज्येष्ठ पुत्र एम. के. मुथु के निधन की खबर (आकाशीय) बिजली की तरह मेरे ऊपर गिरी। मेरे प्रिय भाई, जिन्होंने मुझे माता-पिता जैसा स्नेह दिया, को खोने का गम मुझे अंदर तक व्यथित कर रहा है।'' करुणानिधि ने अपने पिता मुथुवेल की स्मृति में उनका नाम मुथु रखा था। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कलैगनार की तरह, भाई मुथु ने भी युवावस्था से ही नाटकों के माध्यम से द्रविड़ आंदोलन में योगदान दिया। अभिनय, संवाद अदायगी और शारीरिक हावभाव में उनकी अपनी अनोखी शैली थी। इसी ऊर्जा और उत्साह के कारण, उन्होंने 1970 में फिल्म उद्योग में कदम रखा। उन्होंने अपनी पहली फिल्म में दोहरी भूमिका निभाई।''

उन्होंने कहा कि मुथु को तमिल प्रशंसकों के दिलों में उनकी फिल्मों-पिल्लैयो पिल्लई, पूकारी, समयालकरन और अन्याविलक्कु के माध्यम से हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''उनमें एक खास गुण था जो कई अभिनेताओं में नहीं होता। उनमें अपनी आवाज में मधुरता से गाने की क्षमता थी। 'नल्ला मनाथिल कुदियिरिकुम नागूर अंदावा' और 'सोन्थाकारंगा एनक्कु रोम्बा पेरुंगा' ऐसे गीत हैं जिन्हें बहुत से लोग आज भी नहीं भूले हैं।''

स्टालिन ने कहा कि वह हमेशा उनके प्रति स्नेही रहे और प्रोत्साहित करते रहे। उन्होंने कहा कि उनके भाई भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वह कला, गीतों और संगीत के माध्यम से हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे।

मवेशियों की तस्करी का प्रयास विफल, 49 भैंसों और बैलों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने एक पशु कार्यकर्ता की मदद से शनिवार को 49 भैंसों और बैलों को राज्य से बाहर ''अवैध रूप से ले जाने'' के प्रयास को विफल कर दिया। पुलिस ने बताया कि वाहन में जानवरों को ठूसा गया था। सभी को बचा लिया गया और फिलहाल एक आश्रय गृह में उनका इलाज किया जा है।

तिरुवल्लूर स्थित 'अलमाइटी एनिमल केयर ट्रस्ट' के संस्थापक और पशु कार्यकर्ता साई विग्नेश ने एक बयान में कहा, ''यह देखकर बहुत दुख हुआ कि 49 भैंसों और बैलों को बिना हिलने-डुलने की जगह दिए ठूंस-ठूंस कर भरा गया था, जिससे कई घायल हो गये। उन्हें घंटों खड़े रहने के वास्ते मजबूर करने के लिए उनकी आंखों में हरी मिर्चें डाल दी गई थीं, यह एक क्रूर और गैरकानूनी तरीका है जो आज भी इस्तेमाल में है।'' विग्नेश ने सिंगापेरुमल कोइल के पास मवेशियों को ले जाते हुए देखा, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया।

विद्यार्थी 'ब्रिजेस टू मॉय पास्ट' पुस्तक से सीख रहे जीवन का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विभिन्न कॉलेजों में एन. सुगलचंद जैन ने अपनी पुस्तक 'ब्रिजेस टू माय पास्ट' के द्वारा सिखाए गए पाठ से हजारों छात्रों और युवाओं को किया प्रेरित किया है। चेन्नई के परोपकारी और शिक्षाविद् एन. सुगलचंद जैन ने अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन की घटनाओं को संकलित करते हुए एक पुस्तक लिखी है।

अपने अनोखे अंदाज़ में लिखी गई यह पुस्तक घटनाओं को उसी रूप में प्रस्तुत करती है जैसी वे घटीं। बिना किसी अलंकरण या फेरबदल के उन्होंने पुस्तक के रूप में इसे प्रस्तुत किया है। इसमें सजीव अनुभव, भावनात्मक विचार, और सीखी गई सीख को पूरी ईमानदारी और निष्कपटता के साथ साझा किया है। यह प्रयास सुगलचंद जैन के इस दृढ़ विश्वास को दर्शाता है कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। ब्रिजेस टू माय पास्ट के माध्यम से वे छात्रों को ऐसे जीवन पाठ देते हैं जो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में अक्सर नहीं मिलते-जैसे ईमानदारी, धैर्य, करुणा और आत्म-विकास की सीख। अब तक 3500 छात्रों को यह अत्यंत व्यावहारिक ज्ञान से भरपूर पुस्तक वितरित की जा चुकी है। सुगलचंद जैन अपने परोपकारी कार्यों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे कई धर्मार्थ संस्थाओं के संस्थापक हैं, जिनमें भगवान महावीर फाउंडेशन, सिंघवी चैरिटेबल ट्रस्ट, जैन्सइंडिया ट्रस्ट, विद्याज्योति ट्रस्ट, और एम्पैथी फाउंडेशन शामिल हैं।

तमिलनाडु की जनता द्रमुक के झूठे नाटकों पर विश्वास नहीं करेगी : डॉ. एल मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर शनिवार को हमला बोला। उन्होंने कहा कि द्रमुक सांसदों ने केंद्र सरकार की निंदा करते हुए प्रस्ताव पारित किया कि वह लोगों को कष्ट देने वाले क्रूर शासन को छिपा रही है! डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि तमिलनाडु की जनता द्रमुक के झूठे नाटकों पर विश्वास नहीं करेगी। जनता के टैक्स का पैसा लूटने वालों को केंद्र सरकार की आलोचना करने का कोई हक नहीं है।

डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि साल 2026 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन भारी जीत हासिल करेगा और तमिलनाडु के लोगों द्वारा चाहा गया सुशासन देगा।

डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि जनता का पैसा गबन करके आराम की जिंदगी जीने वाली द्रमुक को अपनी गलतियों की सजा के तौर पर करारी हार का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि इससे पहले डॉ. एल मुरुगन ने द्रमुक की आलोचना करते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन का डर सता रहा है। उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु की जनता चुनावों में 'क्रूर द्रमुक' शासन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

लक्षद्वीप प्रशासन रक्षा उद्देश्यों के लिए बिट्रा द्वीप के अधिग्रहण पर विचार कर रहा

कोच्चि। लक्षद्वीप प्रशासन रक्षा उद्देश्यों के लिए 'बिट्रा द्वीप' के अधिग्रहण पर विचार कर रहा है। इस कदम का लक्षद्वीप के सांसद हमदुल्ला सईद ने कड़ा विरोध किया। सांसद हमदुल्ला सईद ने बिट्रा के स्थानीय निवासियों को अपना पूरा समर्थन देते हुए आश्वासन दिया कि इस प्रस्ताव का विरोध करने के लिए वे राजनीतिक और कानूनी रास्ते अपनाएंगे। हाल ही में जारी सरकारी अधिसूचना में राजस्व विभाग को बिट्रा द्वीप के सम्पूर्ण भू-क्षेत्र को अपने अधीन लेने का प्रस्ताव दिया गया है। इसका उद्देश्य इसे केंद्र की प्रासंगिक रक्षा और रणनीतिक एजेंसियों को हस्तांतरित करना है। पिछले सप्ताह जारी अधिसूचना में बताया गया है कि यह कदम द्वीप की रणनीतिक स्थिति, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से इसकी प्रासंगिकता और वहां की नागरिक आबादी से जुड़ी प्रशासनिक व रसद संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

क्षेत्रीय प्रशासन 2013 के भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम के तहत उचित मुआवजा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए द्वीप का अधिग्रहण करेगा। इस बीच, लक्षद्वीप के सांसद हामदुल्ला सईद ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा बिट्रा द्वीप को अधिग्रहित करने के कदम का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के पीछे असली मंशा स्थानीय आबादी को वहां से विस्थापित करना है। सांसद के कार्यालय से जारी एक बयान में सांसद हामदुल्ला सईद ने कहा कि बिट्रा लक्षद्वीप का सबसे छोटा आबादी वाला द्वीप है और वह इसे रक्षा जरूरतों के बहाने अधिग्रहित करने के प्रशासन के प्रयास का जोरदार विरोध करेंगे। उन्होंने इस निर्णय को तत्काल वापस लेने की भी मांग की।

केरल के उत्तरी क्षेत्र में भारी बारिश के कारण पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में लगातार हो रही बारिश के कारण कई शहरों और ऊंचाई पर स्थित इलाकों में बाढ़ आ गई है और यातायात बाधित हो गया, जिसके मद्देनजर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के पांच उत्तरी जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें ''अत्यधिक भारी बारिश'' का पूर्वानुमान जताया गया है। मौसम एजेंसी के नवीनतम अपडेट के अनुसार, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर और पलक्कड़ सहित जिलों में 'भारी वर्षा' की संभावना जताई गई है और इसके लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने ''अत्यधिक भारी बारिश'' की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए आपात स्थिति के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं।

सूत्रों ने बताया कि उत्तरी जिले कासरगोड में जिला प्रशासन ने मानसून से संबंधित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्कूलों में सख्त सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। वायनाड और कोझिकोड दोनों जगहों पर शुक्रवार रात भर भारी बारिश हुई, हालांकि शनिवार सुबह लोगों को इससे थोड़ी राहत मिली। कोझिकोड में जिला अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर ऊंचाई वाले क्षेत्रों और जल निकायों के निकट रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए तैयार हैं। राज्य कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, केरल में मई से अब तक हुई व्यापक बारिश के कारण सिर्फ कोझिकोड जिले में 44 करोड़ रुपये की फसल का नुकसान हुआ है। 'रेड अलर्ट' का मतलब है 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक भारी से अति भारी बारिश होना, जबकि 'ऑरेंज अलर्ट' का अर्थ है 11 से 20 सेंटीमीटर के बीच बहुत भारी बारिश होना।

सिद्दरामय्या ने भाजपा-जद (एस) को कर्नाटक में विकास पर बहस की चुनौती दी

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि विपक्षी दल लोगों का प्यार और सद्भावना खो चुके हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) को एक मंच पर आकर बहस करने की चुनौती दी कि राज्य के विकास में किसने कितना योगदान दिया है।

वह कर्नाटक सरकार की ओर से आयोजित एक विशाल सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जहां मैसूरु के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। सिद्दरामय्या ने कहा, ''भाजपा और जद (एस) झूठे आरोप लगाते हैं। मैंने कई बार कहा है कि सच्चाई जानने और लोगों को गुमराह करना बंद करने के लिए आप सभी को एक मंच पर आना चाहिए। अगर भाजपा और जद(एस) नेता (विकास के मुद्दे पर बहस करने के लिए) एक मंच पर आते हैं, तो मैं आने के लिए तैयार हूं। आइए बहस करें कि हमने क्या किया है और आपने क्या किया है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का दावा है कि राज्य का खजाना खाली है और सरकार दिवालिया हो गई है तथा विकास के लिए पैसा नहीं है क्योंकि यह गारंटी योजनाओं पर खर्च हो गया है। उन्होंने पूछा, ''अगर सरकार दिवालिया होती, तो क्या आज 2,578 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास संभव होता?'' मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर झूठ बोलने और लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा और जद(एस) कह रहे हैं कि यह कार्यक्रम सिद्दरामय्या का शक्ति प्रदर्शन है। यह शक्ति प्रदर्शन नहीं है। यह विकास की ताकत दिखाने के लिए है।'' भाजपा ने आयोजन को सिद्दरामय्या का ''शक्ति प्रदर्शन'' करार दिया, जिसका उद्देश्य उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने के किसी भी कदम के खिलाफ अहिंदा' वोट बैंक का इस्तेमाल करके कांग्रेस आलाकमान को ''ब्लैकमेल'' करना है।

केरल के मंत्री ने 'गलत मेडिकल दावे' के आरोप में एक 'फेसबुक पेज' के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के वित्त मंत्री के कार्यालय ने एक फेसबुक पेज के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर पिछले साल यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक दिन के इलाज में आए लगभग 1.91 लाख रुपये के चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति का आरोप लगाया गया था।

मंत्री बालगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट को 'भ्रामक', 'पूरी तरह झूठ' और 'दुष्टों का षडयंत्र' करार देते हुए कहा कि हृदय रोग के बाद उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी और उनकी छाती में 'एक स्टेंट' (मेडीकल उपकरण) डाला गया था। वह 12 मई से 17 मई 2024 के बीच अस्पताल में भर्ती थे।

मंत्री ने शुक्रवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा, हालांकि यूडीएफ-संघ परिवार के सोशल मीडिया हैंडल और यूट्यूब चैनलों के माध्यम से उनके इलाज पर हुए चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति के संबंध में पूरी तरह से भ्रामक और झूठा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, अस्पताल द्वारा

एंजियोप्लास्टी के लिए ली गई फीस प्रत्येक सरकारी अस्पताल में 'एपीएल' (गरीबी रेखा से ऊपर) श्रेणी के व्यक्तियों के लिए एक बराबर है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि किसी निजी अस्पताल में महंगा इलाज करवाने के बजाय एक सरकरी अस्पताल में अपेक्षाकृत किफायती उपचार करावाने में क्या गलत है?

मंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में हृदय रोग के लिए प्रभावी उपचार मौजूद होने और उनके जैसे व्यक्ति के उन पर भरोसा करने की बात पर प्रकाश डालने के बजाय उनके खिलाफ एक वर्ष से अधिक समय से झूठा प्रचार किया जा रहा है। बालगोपाल ने कहा कि साल भर इस झूठे प्रचार को नजरअंदाज करने के बाद उन्हें लगा कि जनता झूठ पर विश्वास कर रही है और जब उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने का फैसला लिया है।

राजभाषा हिंदी और डिजिटल डॉटा संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 23 को

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा स्वयं-बृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम भाषा-प्रौद्योगिकी का परिचय के अंतर्गत 23 जुलाई को 33वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का विषय है- राजभाषा हिंदी और डिजिटल डॉटा संरक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सी. जय शंकर बाबु करेंगे, जो कंप्यूटरीय भाषा-विज्ञान के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। यह आयोजन भाषा अध्ययन में उन्नत तकनीकी समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के तकनीकी उन्नयन के साथ-साथ इनके डिजिटल संरक्षण पर भी प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत चर्चा की जाएगी।

मुख्य वक्ता के बतौर उप महाप्रबंधक (राजभाषा), भारतीय खाद्य निगम, नोएडा के डॉ. ए. वेंकटेश्वर राव अपने विस्तृत अनुभव से श्रोताओं को डिजिटल डॉटा संरक्षण के कौशल सिखाएंगे। डॉ. राव मूलतः तेलुगु भाषी हैं और करीब तीस वर्षों से राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। आपने अपने नवोन्मेषी अनुप्रयोगों से भारतीय खाद्य निगम में राजभाषा हिंदी को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा अपने पचास वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह' के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अनेकों प्रतियोगिताओं में से एक 'लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता' में आपको प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यशाला के सह-संयोजक एवं संचालक के रूप में अनुवाद अधिकारी उमेश कुमार प्रजापति 'अलख' और दिल्ली शिक्षा विभाग, नई दिल्ली की प्रवक्ता हिंदी डॉ. अनुपमा कपूर, सत्र का संचालन और प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। यह कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से शाम 6 बजे (भारतीय समयानुसार) आयोजित की जाएगी। गूगल मीट के माध्यम से कार्यशाला से जुड़ने का लिंक: https://meet.google.com/art-tauu-pmo है।

यह आयोजन स्वयम् पहल के अंतर्गत अब तक आयोजित 32 सफल राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं की श्रृंखला में अगला कदम है, जिसका उद्देश्य देश भर के विद्यार्थियों/अध्येताओं/ भाषा चिंतकों/विद्वानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और प्रौद्योगिकीय शिक्षा उपलब्ध कराना है। अधिक जानकारी हेतु पांडिचेरी विश्वविद्यालय की आधिकारिक बेवसाइट पर इस लिंक: www.pondiuni.edu.in के माध्यम से देखा जा सकता है। कार्यशाला में भागीदारी के लिए निःशुल्क पंजीकरण लिंक: https://t.ly/LnFNS पर सम्पर्क किया जा सकता है।

छात्र की करंट लगने से मौत का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही यूडीएफ, भाजपा : शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोल्लम जिले के एक स्कूल में 13 वर्षीय छात्र की करंट लग जाने से हुई मौत के मामले का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। 'थेवलक्कारा बॉयज हाई स्कूल' के छात्र मिथुन की स्कूल परिसर में बिजली के तार की चपेट में आने से बृहस्पतिवार को मौत हो गई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर आरोप लगाया कि केरल का शिक्षा क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की तरह ही ध्वस्त हो रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ''स्कूली बच्चे की मौत जानबूझकर की गई लापरवाही का नतीजा है जो हत्या के समान है।'' चंद्रशेखर ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, ''यह कोई अकेला मामला नहीं है। पूरे केरल में, सरकारी स्कूल बदहाल हैं, बुनियादी ढांचे तक का अभाव है... यह चरमराती शिक्षा व्यवस्था का एक स्पष्ट प्रतिबिंब है।'' भाजपा नेता ने कहा कि पंचायत, स्कूल और केएसईबी (केरल राज्य विद्युत बोर्ड) अधिकारी इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार हैं और उन पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

हजारों लोग स्कूल और दिवंगत छात्र के घर पहुंचे, जहां उसके शव को श्रद्धांजलि देने के लिए रखा गया था। शाम लगभग 4.30 बजे उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले दिन में, शिवनकुट्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नीत यूडीएफ और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने इस घटना से ''राजनीतिक लाभ'' उठाने के लिए छात्र के परिवार से मिलने जा रहे मंत्रियों को काले झंडे दिखाए और उनके वाहनों को रोका। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने मंत्रियों के वाहनों के सामने अचानक आकर विरोध प्रदर्शन किया। शिवनकुट्टी ने कहा, ''यह सही तरीका नहीं है।'' उन्होंने पूछा कि क्या काले झंडे दिखाने वाले किसी भी समूह ने शोक संतप्त परिवार को कोई वित्तीय सहायता दी या यह देने का वादा किया। मंत्री ने कहा कि केरल स्कूल शिक्षक संघ (केएसटीए) ने छात्र के परिवार को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है, केएसईबी ने उन्हें पांच लाख रुपये दिए हैं और सामान्य शिक्षा विभाग लगभग 20 लाख रुपये की लागत से उनके लिए एक आवास का निर्माण करने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा कि सरकार भी उन्हें तीन लाख रुपये उपलब्ध कराएगी। उन्होंने सवाल किया, ''क्या कभी किसी घटना के 48 घंटों के भीतर ऐसे फैसले लिए गए हैं? क्या कभी किसी घटना के 48 घंटों के भीतर जांच की गई है और समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए गए हैं? ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।'' मंत्री ने पूछा, ''इसकी सराहना करने के बजाय, मंत्रियों को काले झंडे क्यों दिखाए जा रहे हैं? जो लोग काले झंडे दिखा रहे हैं, क्या उन्होंने परिवार को कोई मदद का वादा किया है?'' मंत्री ने यह भी कहा कि वह दिवंगत छात्र के घर नहीं गए ताकि उनकी उपस्थिति से किसी भी तरह की समस्या पैदा नहीं हो। शिवनकुट्टी ने कहा, ''राज्य में माकपा और एलडीएफ का समर्थन आधार इतना मजबूत है कि इसके नेताओं और मंत्रियों को केरल में किसी भी स्थान का दौरा करने से नहीं रोका जा सकता।'' छात्र की करंट लगने से हुई मौत का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि अगर स्कूल प्रबंधन की ओर से कोई चूक हुई है, तो उनके खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''इस घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री का यही रुख है।'' स्कूल की प्रधानाध्यापिका को शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया था।

भरतपुर संभाग में भारी बारिश के चलते बांधों के द्वार खोले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर संभाग के धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर और भरतपुर जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते शनिवार को सुबह पांचना बांध के चार द्वार खोल दिये गये प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बांध से 17 हजार 496 क्यूसेक जल निकासी की जा रही है। इसके साथ ही बांध के बहाव क्षेत्र के तटीय क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों के लिए चेतावनी जारी की गयी है। जल संसाधन विभाग के सूत्रों ने बताया कि पाँचना बांध के द्वार नंबर दो, तीन, चार और छह को एक-एक मीटर खोला गया है। बांध में 2500 क्यूसेक पानी की आवक के चलते इसकी भराव क्षमता 258.62 मीटर के मुकाबले जल स्तर 258.25 मीटर पर पहुंच गया है।

इससे पहले शुक्रवार रात नौ बजे 2700 क्यूसेक जल निकासी शुरू की गई थी, लेकिन सुबह पानी की आवक 17 हजार क्यूसेक होने पर बांध के चार द्वार खोलकर जल निकासी की जा रही है।

इस सत्र में पहली बार इतनी अधिक तादाद में पानी की निकासी शुरू की गई है। उधर यह पानी गंभीर नदी के रास्ते भरतपुर के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान घना तक पहुंच रहा है। भारी बारिश की बजह से धौलपुर जिले के हालात भी बदतर होते जा रहे हैं। यहां धौलपुर-करौली राष्ट्रीय राजमार्ग 11बी पर निभी का ताल के छलकने और सरमथुरा के आंगई स्थित पार्वती बांध में पानी की आवक बढ़ने पर बांध के 10 द्वार खोलकर 8803 क्यूसेक पानी की निकासी की शुरू की गई है। इसके बावजूद आज सुबह तक बांध का जलस्तर 223.41 मीटर के मुकाबले 223 मीटर बना हुआ है। पानी की निकासी के चलते बाड़ी-बसेड़ी का राष्ट्रीय राजमार्ग 11बी अवरुद्ध है। सुरक्षा की दृष्टि से यहां पुलिस बल तैनात किया गया है।

मदन दिलावर ने दूसरे दिन भी किया अपने विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार दूसरे दिन भी कोटा जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया तथा लोगों को हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान दिलावर ने अधिकारियों को ग्रामीणों को हुए नुकसान का सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी समय सिंह गुजर से कहा कि लगातार बारिश और जल भराव के कारण कई गांवों में ग्रामीणों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए है। इनका सर्वे किया जाए।

दिलावर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को बारिश के कारण मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर मिट्टी डालने के भी निर्देश दिए। अन्य निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को उनका लाभ मिल सके। उन्होंने दूसरे दिन अपना दौरा चेचट के गांव फांणदा से शुरू किया। इसके बाद खेड़ारुध्दा, आलोद, रिछी,चंद्रपुरा,ताकली डेम, चेचट, नयागांव, मनोहरपुरा तथा भटवाड़ा गांव का दौरा किया तथा बाढ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं का समाधान किया। दिलावर ने खेड़ारुद्धा ने ग्रामीणों को बताया कि कुंडाल सिंचाई परियोजना के सर्वे रिपोर्ट तैयार करने के लिए 40 लाख रुपए दिए है। उन्होंने इस दौरान बालिकाओं से उनकी शिक्षा व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली और छात्राओं को मिल रही निशुल्क यूनिफॉर्म, साइकिल वितरण, पढ़ाई फ्री, टैक्स बुक के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी योगेश पारीक, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी रामचरण मीणा, खंड विकास अधिकारी समय सिंह गुजर तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बांधों के निर्माण के लिए राज्य की हिस्सेदारी से 95 करोड़ रुपये मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने यमुना जल समझौते के तहत हो रहे निर्माण कार्यों में हिस्सेदारी के रूप में 95 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यमुना बेसिन के ऊपरी भाग में स्थित रेणुकाजी (हिमाचल प्रदेश) एवं लखवार बांध (उत्तराखण्ड) के निर्माण कार्यों के लिए राज्य की हिस्सा राशि में से 95 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इससे निर्माण कार्यों को गति मिलेगी और तय समय सीमा में प्रदेश में जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। बांधों के निर्माण से राज्य के हिस्से का जल वर्ष पर्यन्त उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संसाधनों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता से राज्य में जल परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यमुना जल परियोजना चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित अन्य क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी। इससे पेयजल और सिंचाई की स्थायी सुविधा सुनिश्चित होगी। उल्लेखनीय है कि यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तीन प्रमुख बांधों का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें से वर्तमान में लखवार और रेणुकाजी बांधों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

यमुना नदी बोर्ड द्वारा इन परियोजनाओं की कुल लागत 11,320.46 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें राजस्थान की हिस्सेदारी 215.66 करोड़ रुपये है। शर्मा ने बोर्ड की मांग को ध्यान में रखते हुए 95 करोड़ रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान कर राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की है। हथिनी कुंड बैराज से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित कार्यबल की तीसरी बैठक 30 जून 2025 को पंचकूला में हुई थी। इसमें राजस्थान और हरियाणा के अधिकारियों के बीच विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य प्रबंधन शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता से जुड़े : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध सेवाओं के साथ समाज से जुड़े परिवेश की समझ, स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता आदि की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी ही बाद में राष्ट्र के भावी कर्णधार होते हैं, इसलिए उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को जयपुर स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च' के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षण संस्थान विद्यार्थी को केवल पाठ्य पुस्तकों के ज्ञान तक सीमित नहीं रखे बल्कि जीवन व्यवहार की शिक्षा दे। उन्होंने विद्यार्थियों को कॉपी करके पास होने की प्रवृत्ति की बजाय अपनी समझ से परीक्षा देने की पद्धति का विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलेगा कि विद्यार्थी बौद्धिक रूप में कितना समर्थ है।उन्होंने 'विकसित भारत' में युवाओ को महती भूमिका निभाने का भी आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को पदक और डिग्रियां प्रदान की।

सांसद हनुमान बेनीवाल के घर की काटी गई थी बिजली, मंत्री नागर बोले 'बिल नहीं जमा किया तो कार्रवाई होगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल के घर का बिजली कनेक्शन काटे जाने पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिजली विभाग की ओर से की गई कार्रवाई को बेनीवाल ने बदले की भावना से प्रेरित बताया और कहा कि बिल सेटलमेंट की प्रक्रिया चल रही थी। ऐसे में क्या यह कार्रवाई ठीक है? बेनीवाल के बयान पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि बकाया बिल पर कनेक्शन काटना सामान्य प्रक्रिया है और इसमें आम नागरिक या जनप्रतिनिधि में कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।

शनिवार को उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से समय पर बिल जमा करने की अपील की, ताकि जनता में सकारात्मक संदेश जाए। नागर ने स्मार्ट मीटर का बचाव करते हुए कहा कि यह इसीलिए लगाए गए ताकि, विधायक, मंत्रियों को इस बात की जानकारी मिल सके कि उनके यहां कितनी बिजली खपत हो रही है। स्मार्ट मीटर से बिल की पारदर्शिता बढ़ेगी और उपभोक्ता अपने खपत की निगरानी कर सकेंगे। उन्होंने साफ कर दिया है कि वीआईपी हो या फिर आम नागरिक, बिल नहीं जमा किया तो नोटिस भी जाएगा और कार्रवाई भी होगी। उनके अनुसार, अगर आम नागरिक का बिजली बिल बकाया रहने पर बिजली काट दी जाती है तो यह नियम वीवीआईपी पर भी लागू होता है।

दूसरी ओर, सांसद बेनीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के अस्पताल रोड स्थित सरकारी बंगले का विद्युत बिल 2,17,428 रुपए बकाया है। मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पूछना चाहता हूं कि मेरे नागौर स्थित सांसद कार्यालय का विद्युत कनेक्शन सेटलमेंट प्रक्रिया में होने के बावजूद आपने कटवा दिया। क्या ऊर्जा मंत्री का कनेक्शन भी अब काटेंगे? ऊर्जा मंत्री को बताना चाहूंगा कि जिनके खुद के घर शीशे के होते हैं, वो दूसरे के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते।

प्रदेश सरकार सतत् एवं सर्वस्पर्शी विकास के लिए कटिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को जोधुपर के बड़ला नगर में'हरियाळो-राजस्थान' के ब्लॉक स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम एवं लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। पटेल ने विधायक निधि से रा.उ.मा.वि. कुम्हारियानाडा में टीन शेड निर्माण कार्य एवं ग्राम पंचायत में लाइब्रेरी सहित 113.70 लाख रूपये की लागत के 31 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सतत एवं सर्वस्पर्शी विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सरकार ने एसआईटी का गठन कर पेपरलीक माफियाओं पर कड़ा प्रहार किया है। पटेल ने कहा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपये के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 3 लाख करोड़ के एमओयू का धरातल पर कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने कहा 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

पटेल ने कहा 75 हजार से अधिक सरकारी पदों पर युवाओं को नियुक्ति दी गई है। उन्होंने कहा लगभग 80 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा पुलिस उप निरीक्षक के 1 हजार पदों सहित 26 हजार पदों के लिए 2 दिन पूर्व विज्ञापन जारी किया गया है। पटेल ने कहा आरडीएसएस योजना के तहत, 132 केवी के 2 और 33 केवी के एक जीएसएस का कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में विद्युतापूर्ति का स्थाई समाधान होगा। उन्होंने कहा वर्ष 2027 तक हमारे किसान भाइयों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि हरियाळो राजस्थान राज्य को हरा-भरा बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा 'एक पेड़ माँ के नाम' के माध्यम से हम हर व्यक्ति को प्रेरित कर रहे हैं। पटेल ने कहा यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक आंदोलन है, जो हमें प्रकृति के साथ-साथ मातृत्व के प्रति भी हमारे कर्तव्यों की याद दिलाता है। उन्होंने ग्रामवासियों से आह्वान करते हुए कहा इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं और भावी पीढ़ियों को एक हरा-भरा, सुरक्षित और सुंदर राजस्थान सौंपें।

राजस्थान पुलिस का बड़ा खुलासा : अमेरिका से आए कोयले में मिलावट, करोड़ों का घोटाला उजागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार के निर्देशन में इन दिनों कई बड़ी-बड़ी कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान ने अवैध गतिविधियों और संगठित अपराधों के खिलाफ अपनी मुहिम में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम एन के नेतृत्व में एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है जो णङ- से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) में मिलावट कर रहा था। इस गोरखधंधे से सीमेंट और स्टील फैक्ट्रियों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा था।एडीजी एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को पिछले कुछ समय से णङ- से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) की चोरी की सूचनाएं मिल रही थीं। मुखबिरों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के कुछ कोयला माफियाओं ने पिण्डवाड़ा-आबूरोड नेशनल हाईवे 27 पर भुजेला स्थित तुलसी होटल के पीछे एक बंद पड़ी फैक्ट्री किराए पर ले रखी थी। ये शातिर अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे और उसकी जगह उतनी ही मात्रा में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिला देते थे। चोरी किए गए इस बेशकीमती कोयले को गिरोह द्वारा छोटी औद्योगिक इकाइयों को बेचकर लाखों रुपये की अवैध कमाई की जा रही थी।

उप महानिरीक्षक पुलिस अपराध योगेश यादव के समन्वय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद टेलर और पुलिस निरीक्षक रामसिंह ने किया। टीम ने शुक्रवार को थाना रोहिडा सिरोही को सूचित कर यह कार्रवाई कराई। पुलिस में भुजेला हाईवे स्थित तुलसी होटल के पीछे की फैक्ट्री परिसर में धावा बोला। मौके से पुलिस ने दो ट्रक, एक लोडर, एक डोजर मशीन और कोयले से भरे ट्रक की सील तोड़ने का सामान जब्त किया।

कार्रवाई के दौरान इरफान पुत्र हारून (32) निवासी मदिना सोसायटी लाजपथ नगर पुलिस थाना राधनपुर जिला पाटन गुजरात को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी इरफान ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला था। उसने बताया कि वे ट्रक ड्राइवरों से 5-7 हजार रुपये प्रति टन के हिसाब से कोयला खरीदते थे और ट्रक में नकली डस्ट कोयला मिलाकर आगे भेज देते थे। इस तरह वे प्रतिदिन लगभग 15-20 टन कोयले की चोरी कर रहे थे, जिससे उन्हें रोजाना लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की मोटी कमाई हो रही थी।

सफल कार्यवाही में शामिल प्रमुख टीम के सदस्यों में पुलिस उपाधीक्षक फूलचन्द टेलर, पुलिस निरीक्षक रामसिंह नाथावत, सहायक उपनिरीक्षक बनवारीलाल, दुष्यन्त सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, शाहीद अली, राकेश कुमार, रमेश कुमार, हेमन्त शर्मा, महावीर, कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल चालक राजेश कुमार, पुलिस निरीक्षक रेन्ज सैल उदयपुर हिमांशु सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल हिम्मत सिंह, थानाधिकारी रोहिड़ा माया पण्डित, हेड कांस्टेबल देवाराम, कांस्टेबल शंकरलाल, रमेश कुमार और चालक कांस्टेबल मोरमुकुट शामिल थे। हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना इस कार्रवाई में निर्णायक साबित हुई।

हर भागीदार बना हरियाली के यज्ञ का यजमान : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को मातृत्व और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ सघन पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अजमेर दक्षिण में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मातृवन उद्यान में किया गया। शर्मा ने कहा कि इस अभियान में विधायक अनिता भदेल की भूमिका अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार विगत वर्ष में राज्य में 7 करोड़ 35 लाख की संख्या में पौधारोपण हो चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष भी लक्ष्य से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आरंभ किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव और जिम्मेदारी का प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति अपनी माँ की स्मृति में पौधा लगाता है तो वह उसके संरक्षण के प्रति भी संवेदनशील रहता है। उन्होंने कहा कि अब तक राज्य में आमजन द्वारा रोपित 6 करोड़ पौधों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है। ये जन सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है।

शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से प्रकृति का संतुलन बिगड़ चुका है। इसके दुष्परिणाम अत्यधिक गर्मी, सूखा, वर्षा में असंतुलन के रूप में दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में वृक्षारोपण ही एकमात्र उपाय है जिससे आने वाली पीढ़ियों को हरित और सुरक्षित भविष्य दिया जा सकता है।

विधायक भदेल ने कहा कि रिमझिम वर्षा की फुहारों के बीच आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सैकड़ों नागरिकों ने भाग लेकर सहभागिता निभाई। वर्षा को इंद्र देवता का आशीर्वाद मानते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री ने पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम के तहत नीम, पीपल और बरगद जैसे छायादार व पर्यावरण अनुकूल पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि मातृवन में पूर्व में 2200 पौधे लगाए जा चुके हैं।

भाजपा वाले संविधान को कुचलने का काम कर रहे है : डोटासरा

अलवर। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाले संविधान की बात करते हैं, लेकिन वे संवैधानिक संस्थाओं को कुचलने का काम कर रहे हैं । डोटासरा शनिवार को संविधान बचाओ रैली में शामिल होने के लिए अलवर पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा सरकार जब सत्ता में आयी थी तो उसके नेताओं ने किसानों की आमदनी दुगुना करने, बेरोजगारों को रोजगार देने जैसी बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन सब हवा-हवाई हो गयीं।

डोटासरा ने कहा कि विपक्ष के नेताओं के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आय कर और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का छापा पड़वा दिया जाता है। जो विपक्षी नेता भाजपा में शामिल हो जाता है, उसके खिलाफ कार्रवाई रोक दी जाती है। उन्होंने कहा, ये भाजपा वाले कौन से हरिश्चंद्र पैदा हुये हैं। दूसरी पार्टी के नेता भाजपा में जाते ही हरिश्चंद्र बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव, नगर निकायों चुनाव नहीं कराये जा रहे हैं। राजस्थान के हालात खराब हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बस में कुछ नहीं है। उनमें क्षमता नहीं है। दिल्ली से पर्ची की सरकार बनी है और शर्मा खुद के विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना के हाथ बंधे हुये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कहने से युद्धविराम किया गया। ट्रम्प कई बार यह बयान दे चुके हैं। व्यापार को लेकर बात हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी हमला बोलते हुए कहा कि देश का प्रधानमंत्री व्यापार करने के लिए नहीं बनाया है।

असम में भाजपा सरकार बांग्ला भाषियों को धमका रही है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को असम में वहां की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बांग्ला भाषियों को ''धमकाने'' का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी राज्य के बांग्ला भाषी ''सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व'' चाहते हैं। बनर्जी ने यह भी कहा कि असम में भाजपा का ''विभाजनकारी एजेंडा सभी सीमाओं को पार कर गया है''।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष बनर्जी केंद्र और भाजपा शासित राज्यों पर बांग्ला भाषी प्रवासियों को ''अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या' बताकर व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाती रही हैं। बनर्जी ने कहा, '' देश में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा, बांग्ला, असम की भी दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहना चाहने वाले नागरिकों को अपनी मातृभाषा का पालन करने के लिए उत्पीड़न की धमकी देना भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक है।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम में भाजपा का यह विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर चुका है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। मैं हर उस निडर नागरिक के साथ खड़ी हूं, जो अपनी भाषा और पहचान की गरिमा और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है।''

अतिक्रमण और तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर

बंगाल के भविष्य से समझौता कर रही हैं ममता बनर्जी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सत्ता में बने रहने के लिए एक ''विशेष समुदाय'' द्वारा अतिक्रमण को बढ़ावा देकर और उसका तुष्टिकरण करके अपने राज्य के भविष्य से समझौता करने का आरोप लगाया।

शर्मा ने कहा कि असम में कोई भाषाई विभाजन नहीं है और उनकी सरकार राज्य की विरासत और उसके लोगों को संरक्षित करने के लिए संघर्ष करती रहेगी। भाजपा नेता शर्मा ने यह बात बनर्जी की उस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कही, जिसमें उन्होंने असम सरकार पर बांग्ला भाषी लोगों को ''धमकाने'' और भाजपा पर ''विभाजनकारी एजेंडे'' पर काम करने का आरोप लगाया था। बनर्जी के पोस्ट का जवाब देते हुए शर्मा ने लिखा, ''दीदी, मैं आपको याद दिला दूं - असम में हम अपने ही लोगों से नहीं लड़ रहे हैं। हम सीमा पार से अनियंत्रित मुस्लिम घुसपैठ का निडरता से विरोध जारी रखे हुए हैं, जिसने पहले ही खतरनाक जनसांख्यिकीय बदलाव ला दिया है।'' कई जिलों में हिंदू अब अपनी

ही जमीन पर अल्पसंख्यक बनने की कगार पर हैं। शर्मा ने दावा किया कि यह कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक हकीकत है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने इस तरह की घुसपैठ को बाहरी आक्रमण करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''और फिर, जब हम अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए उठते हैं, तो आप उसका राजनीतिकरण करने का चयन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम लोगों को भाषा या धर्म के आधार पर नहीं बांटते। असमिया, बांग्ला, बोडो, हिंदी - सभी भाषाएं और समुदाय यहां सह-अस्तित्व में रहे हैं। लेकिन कोई भी सभ्यता जीवित नहीं रह सकती, अगर वह अपनी सीमाओं और अपनी सांस्कृतिक नींव की रक्षा करने से इनकार कर दे।'' शर्मा ने दावा किया कि असम सरकार राज्य की पहचान को बनाए रखने के लिए निर्णायक रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, ''दीदी आपने, सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिए- एक विशेष समुदाय द्वारा अतिक्रमण को प्रोत्साहित किया, वोट बैंक के लिए एक धार्मिक समुदाय को खुश किया और सीमा पर घुसपैठ के बावजूद चुप रहीं, जो राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचा रहा है - यह सब करके बंगाल के भविष्य के साथ समझौता किया है।''

नीतीश ने गंगा के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण करने के लिए पटना के कई घाटों का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में गंगा नदी के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण करने के लिए कई घाटों का शनिवार को दौरा किया और अधिकारियों से सतर्क रहने तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। मुख्यमंत्री ने कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंगन घाट, एलसीटी घाट, एनआईटी घाट और नासरीगंज घाट का दौरा किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने राजधानी पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर विभिन्न घाटों पर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों को स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और सतर्क रहने के लिए कहा है।'' उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि जल स्तर और बढ़ता है तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को दूसरे स्थानों पर भेजा जाएगा। हाल ही में हुई बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर मनेर, गांधी घाट, हाथीदह और कुछ अन्य स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर पहुच गया है। इन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य भर में विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जे.पी. गंगा पथ पर एलसीटी घाट के पास एक पार्क के विकास के लिए जारी कार्य का भी निरीक्षण किया। यह पार्क पटना स्मार्ट सिटी परियोजना का हिस्सा है।

अखिलेश यादव ने हमेशा हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत करने का काम किया : भूपेंद्र चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने (अखिलेश) हमेशा हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम किया है।

बरेली पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन को सपा द्वारा विवादित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अंदेशा जाहिर किया कि ''कांवड़ यात्रा को लेकर जो घटनाएं हो रही हैं, हो सकता है वो एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा हो।'' चौधरी ने सपा प्रमुख पर आरोप लगाते हुए कहा कि ''अखिलेश यादव ने हमेशा हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम किया है। उनके नेता हिंदू धर्म, धर्मगुरुओं, साधु-संत और धार्मिक किताबों के बारे में आलोचना करते रहे हैं, उनका चरित्र समाज में सनातन विरोधी है, यह जग जाहिर है।'' उन्होंने कहा कि सपा का चरित्र हमेशा हिंदू समाज से जुड़े मुद्दों पर विवादित टिप्पणी करने वाला रहा है। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सपा सरकार में कांवड़ यात्रा रोक दी जाती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बेहतर कानून-व्यवस्था और सबके साथ समान व्यवहार हो रहा है। चौधरी ने कहा, ''कांवड़ यात्रा करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी हुई है। सरकार ने लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्था को ध्यान में रखते हुए इसे शांतिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।''

भेदभाव और नफरत की राजनीति करती है भाजपा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भेदभाव और नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

सपा मुख्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में यादव ने कहा, ''भाजपा सरकार में पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के साथ हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और उसके नेताओं का रवैया भेदभावपूर्ण तथा अलोकतांत्रिक है, सरकार अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी कार्य कर रही है और जनता यह सब देख रही है। यादव ने कहा, ''जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के सांप्रदायिक और नफरती एजेंडे की हवा निकाली है। अगली बार कुछ लोगों का भूत बूथों पर उतर जाएगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा सरकार ने नौ साल के कार्यकाल में किसानों, नौजवानों और महिलाओं सभी को धोखा दिया है। विकास और रोजगार के लिए कोई कार्य नहीं किया। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बढ़ाया है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''भाजपा ने जनता से झूठे वादे किये थे और सरकार के पास जनता से जुड़े सवालों का जवाब नहीं है। आज नौजवानों के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। भाजपा सरकारी विभागों का निजीकरण कर नौकरियां और आरक्षण खत्म कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कहा कि किसानों को खाद, पानी और कीटनाशक दवाएं तक नहीं मिल रही है। प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है।

अवैध धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 10 लोग गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बड़े पैमाने पर अवैध धर्मांतरण कराने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर इस सिलसिले में छह राज्यों से 10 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, इस गिरोह में संलिप्त 10 व्यक्तियों को उत्तर प्रदेश समेत देश के छह राज्यों से गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले की जांच मार्च में आगरा में तब शुरू की गई जब 33 वर्ष और 18 वर्ष की उम्र की दो बहनों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई। जांच में खुलासा हुआ कि इन बहनों का कथित तौर पर जबर्दस्ती धर्म परिवर्तन कराया गया। इनमें से एक युवती ने एक हथियार के साथ सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर भी पोस्ट की थी। आगरा के पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने कहा, प्रारंभिक जांच में पाया गया कि लव जिहाद में शामिल एक गिरोह द्वारा इन बहनों को निशाना बनाया गया था। हमें इनकी फंडिंग अमेरिका और कनाडा से होने का सुराग भी मिला।

आगरा पुलिस ने इस संबंध में पश्चिम बंगाल से दो, गोवा से एक, उत्तराखंड से एक, दिल्ली से एक, राजस्थान से तीन और उत्तर प्रदेश से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों ने इस जटिल नेटवर्क के भीतर विविध भूमिकाएं निभाई हैं। इनकी गतिविधियों में अवैध रूप से धन प्राप्त करना, धर्म परिवर्तन के लिए सुरक्षित घर उपलब्ध कराना, कानूनी सलाह की पेशकश करना और अन्य तरह की सहायता उपलब्ध कराना है। इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेषज्ञ इकाइयों- एसटीएफ और एटीएस को जांच में सहयोग के लिए शामिल किया गया। यह कार्रवाई मिशन अस्मिता के तहत की गई जिसका उद्देश्य ऐसे अवैध गिरोह को ध्वस्त करना है।

त्रिपुरा में अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए एसआईटी का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के पश्चिम त्रिपुरा जिले में बांग्लादेश और म्यांमा से आने वाले प्रवासियों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने के लिए 15 सदस्यीय विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया है। टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने इस कदम के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया और स्थानीय लोगों से ऐसे किसी भी अवैध प्रवासी की सूचना देने को कहा।

इस कार्य के लिए गठित 15 सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व एक वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक कर रहे हैं, जबकि सभी पुलिस थानों के प्रभारी अधिकारी (ओसी) भी इसमें शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने एक आधिकारिक आदेश में कहा, '' अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों/रोहिंग्याओं के निर्वासन के वास्ते पश्चिम त्रिपुरा जिला पुलिस के लिए एक जिला-स्तरीय विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया गया है, ताकि जिले में बसे या पकड़े गए बांग्लादेशी/म्यांमा के प्रवासियों का पता लगाया जा सके, उनकी पहचान की जा सके और उन्हें निर्वासित किया जा सके।'' पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने कहा, '' यदि पूछताछ के बाद किसी व्यक्ति की पहचान अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक या रोहिंग्या के रूप में की जाती है, तो संबंधित टीम के सदस्य तुरंत उनके बायोमेट्रिक्स (उंगलियों के निशान और चेहरे की तस्वीरें) और जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा उन्हें विदेशियों के पहचान पोर्टल पर अपलोड करें।''

बिहार में अब पांच अमृत भारत ट्रेन हैं, देश में किसी भी राज्य में सबसे अधिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुक्रवार को चार गैर-वातानुकूलित अमृत भारत ट्रेन की शुरुआत किए जाने के बाद बिहार से चलने वाली ऐसी ट्रेन की संख्या बढ़कर पांच हो जाएगी। अत्याधुनिक तकनीक वाली ये ट्रेन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई हैं।

इसके साथ ही, बिहार से चलने वाली ऐसी ट्रेन की संख्या देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे अधिक हो गई है, जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। शुक्रवार को शुरू की गईं ट्रेन से पहले, बिहार में दो अमृत भारत ट्रेन थीं - एक दरभंगा और दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल के बीच, जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी और दूसरी मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सहरसा तक चलने वाली, जिसकी शुरुआत 24 अप्रैल, 2025 को हुई थी।

अधिकारियों ने बताया कि अब यह संख्या बढ़कर पांच हो गई है। उन्होंने कहा कि ये चार नई ट्रेन पहले वाली ट्रेन का उन्नत संस्करण हैं, जो बेहतर यात्री सुविधाएं जैसे बेहतर आराम और बेहतर सुरक्षा प्रौद्योगिकी सुनिश्चित करेंगी। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, ''राजेंद्र नगर (पटना के पास) - नई दिल्ली अमृत भारत ट्रेन लगभग 1,000 किलोमीटर की दूरी लगभग साढ़े 17 घंटे में तय करेगी और स्लीपर श्रेणी में पूरी यात्रा का किराया 560 रुपए होगा। इसकी नियमित सेवा 31 जुलाई से शुरू होगी।'' अधिकारी ने कहा, ''दूसरी ट्रेन, बिहार के बापूधाम मोतिहारी और आनंद विहार (नई दिल्ली) के बीच चलेगी। यह भी 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और स्लीपर श्रेणी के लिए पूरी यात्रा का किराया 555 रुपए होगा। इसकी नियमित सेवा की घोषणा अभी नहीं की गई है और इसकी घोषणा अलग से की जाएगी।''

उन्होंने कहा, ''बिहार के दरभंगा और उत्तर प्रदेश के गोमती नगर के बीच तीसरी ट्रेन में गैर-एसी स्लीपर श्रेणी के लिए पूरी यात्रा का किराया 415 रुपए होगा और इसकी सामान्य सेवा 26 जुलाई से शुरू होगी।'' चौथी अमृत भारत ट्रेन का उद्घाटन बिहार के भागलपुर से हुआ लेकिन यह 24 जुलाई से पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन और गोमती नगर के बीच साप्ताहिक रूप से चलेगी।

ओडिशा में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं : सोमन्ना

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शनिवार को कहा कि ओडिशा में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 2025-26 के बजट में राज्य को 10,599 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो 2009-14 के दौरान आवंटित किए गए 838 करोड़ रुपए से 12.5 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2,379 करोड़ रुपए की लागत से 59 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में आठ नई रेलवे परियोजनाओं, मल्टीट्रैकिंग और फ्लाईओवर कार्यों के लिए 25,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। सोमन्ना ने भुवनेश्वर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्वी तट रेलवे (ईसीओआर) के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल भी उनके साथ थे।

पूर्वोत्तर में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क देश के लिए गंभीर खतरा : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क देश के लिए एक गंभीर खतरा है।

मिजोरम में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप जब्त करने के लिए असम राइफल्स की सराहना करते हुए, सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं मिजोरम में समन्वित अभियान के लिए असम राइफल्स और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की सराहना करता हूं, जिसके कारण 36.79 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। ऐसी निर्णायक कार्रवाई सराहना की हकदार है।

सिंह ने कहा, पूर्वोत्तर में सक्रिय यह विशाल मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क हमारे देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने मणिपुर में मादक पदार्थों की तस्करी और अफीम की खेती के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया था। यह लड़ाई और भी तत्परता से जारी रहनी चाहिए। असम राइफल्स ने एक बयान में कहा कि 17 जुलाई को बल ने एनसीबी के साथ मिलकर मिजोरम के ज़ोखावथर में 36.79 करोड़ रुपए मूल्य की 642 ग्राम हेरोइन और 10 किलोग्राम 'मेथामफेटामाइन टैबलेट' जब्त कीं।

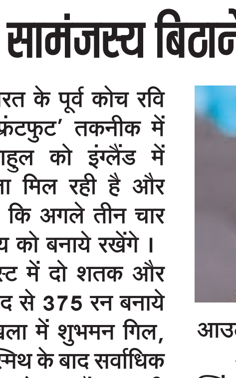

कमल चावला ने वर्ल्ड 6-रेड स्नूकर में जीत से शुरूआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मनामा (बहरीन)/भाषा। भारत के कमल चावला ने शनिवार को यहां विश्व 6-रेड स्नूकर के ग्रुप 'ए' में बहरीन के जाफर अलराईस पर 4-2 की आसान जीत से शुरुआत की। अंडर-21 वर्ग में बेंगलूरु के मयंक कार्तिक, आरव सांचेती और मयूर गर्ग ने अपने ग्रुप में जीत दर्ज की। भारत के ब्रिजेश दमानी शुक्रवार देर रात आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप के मास्टर्स फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद आसिफ से 3-4 से हार गए।

तृणमूल की कार्यशैली भारत की संस्कृति और लोकाचार के अनुरूप नहीं : समिक भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए पश्चिम बंगाल में धार्मिक मतभेद पैदा करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही है और भारत के मूल लोकाचार का उल्लंघन कर रही है, जहां 'भारत' व 'राम' अविभाज्य हैं।

भट्टाचार्य शुक्रवार को दुर्गापुर में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'जय मां दुर्गा' और 'जय मां काली' का नारा लगाए जाने पर तृणमूल कांग्रेस की आलोचना का जवाब दे रहे थे। मोदी की रैली के बाद टीएमसी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि पार्टी अपने पहले के नारे 'जय श्री राम' को दरकिनार कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि राम मोदी समेत हर भाजपा कार्यकर्ता और करोड़ों भारतीयों के दिलों में गहराई से बसे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत राम है, राम भारत है। भारत का पूरा भावनात्मक ताना-बाना रामायण से जुड़ा है। लेकिन भारत की जड़ों और संस्कृति से अलग तथा तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त टीएमसी हमारे राष्ट्र की बहुलतावादी प्रकृति को समझने में विफल है।'' भारत से परे रामायण के सांस्कृतिक प्रभाव का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''इंडोनेशिया में, कई महलों पर हमारे महाकाव्य रामायण के पात्रों के नाम अंकित हैं। भारत इस बहुलवादी डीएनए को साझा करता है। फिर भी, टीएमसी मां काली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के जरिये राजनीतिक लाभ लेती है।'' पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद ऐसी राजनीति जारी नहीं रहने का संकल्प लेते हुए उन्होंने कहा, ''बंगाल में मौजूदा कलह टीएमसी की राजनीति के तौर-तरीके के कारण है। हम एक ऐसे बंगाल की शुरुआत करेंगे जहां दुर्गा पूजा विसर्जन और मुहर्रम का शांतिपूर्ण जुलूस एक ही दिन एक ही रास्ते से निकलेगा।''

शुभेंदु अधिकारी जैसी कट्टर छवि के विपरीत भाजपा में उदारवादी रुख के लिए पहचाने जाने वाले भट्टाचार्य ने कहा कि टीएमसी हालिया हिंसा के लिए जिम्मेदार मुस्लिम समुदाय के भीतर ''कट्टरपंथी तत्वों'' को बढ़ावा दे रही है।

ओडिशाः बदमाशों ने 15 साल की लड़की को आग लगाई

एम्स-भुवनेश्वर में किया जा रहा पीड़िता का उपचार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी जिले में शनिवार को अज्ञात लोगों ने 15 वर्षीय एक लड़की को आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लड़की को गंभीर हालत में एम्स-भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि लड़की 70 प्रतिशत तक झुलस चुकी है और बोल नहीं पा रही है। उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रभाती परीडा ने कहा कि सरकार लड़की के इलाज का खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस को दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए हैं।

तकनीक में सामंजस्य बिठाने से राहुल को इंग्लैंड में मिली सफलता : शास्त्री

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि 'फ्रंटफुट' तकनीक में बदलाव से केएल राहुल को इंग्लैंड में बल्लेबाजी में सफलता मिल रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन चार साल तक वह इसी लय को बनाये रखेंगे।

राहुल ने तीन टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से 375 रन बनाये हैं। वह अब तक श्रृंखला में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जैमी स्मिथ के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मुझे लग रहा है कि उसने फ्रंट फुट की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है। इसके अलावा डिफेंस के समय स्टांस भी बदला है।'' उन्होंने कहा कि नई तकनीक से उनके बोल्ड या पगबाधा आउट होने की संभावना भी कम हुई है।

शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड के हालात में स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिये भी राहुल के पास तकनीक है। उन्होंने कहा ,'' वह तकनीक का धनी है। अभी तक गेंद में इतना मूवमेंट दिखा नहीं है लेकिन अगर गेंद मूव भी करती है तो उसके पास इसका सामना करने की तकनीक है। दुनिया में ऐसा कोई नहीं होगा जिसने यह कहा हो कि राहुल के पास प्रतिभा नहीं है। गुस्सा इस बात का था कि इतना प्रतिभाशाली होते हुए भी वह प्रदर्शन नहीं दे पा रहा लेकिन इस श्रृंखला में उसे शानदार लय में देखा है।''

शास्त्री ने उम्मीद जताई कि उसका बल्लेबाजी औसत अगले कुछ साल में 50 के आसपास रहने वाला है। उन्होंने कहा ,'' वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। अगले तीन चार साल अगर इसी तरह खेलता रहा तो कई शतक बनायेगा क्योंकि वह भारत में भी काफी क्रिकेट खेल रहा है। उसका औसत 50 के आसपास रहना चाहिये।'' राहुल अभी तक 61 टेस्ट में 35 . 3 की औसत से 3632 रन बना चुका है जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं।

सुविचार

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है, और आत्म-सम्मान वह नींव है जिस पर आत्मविश्वास खड़ा होता है।

ट्वीट

आज दूसरे दिन भी रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आपदा से प्रभावित ग्रामीणों की स्थिति का जायज़ा लिया। इस दौरान स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शीघ्रता से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण करें ।

-मदन दिलावर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिवार चाहता था कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, इसलिए उनका एडमिशन विसनगर के नामी एमएन कॉलेज में करवाया गया, यहां मोदी जी का ननिहाल भी था। लेकिन कॉलेज की पढ़ाई उन्हें पसंद नहीं आई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

कथा एक खास सुई की

इसाक बशेविस सिंगर

अनुवाद – ममता जोशी

मेरे प्यारे लोगों, आजकल सारी शादियाँ श्रीमान प्यार के माध्यम से ही तय होती हैं। जवान जोड़े घूमते फिरते हैं, प्यार के बंधन में बंध जाते हैं। थोड़े दिन बाद से ही लड़ाई झगड़े शुरू हो जाते हैं और फिर एक दूसरे से नफ़रत करने लगते हैं। मेरे समय में माता पिता और शादी तय करने वाले बिचौलिये के निर्णय पर ही भरोसा किया जाता था। मैंने भी तो अपने टोडी को शादी के बाद ही देखा था। चलो! इसी बात पर तुम्हें एक कहानी सुनाती हूँ। रूबशॉ शहर में रेब लेमेल वेगमेइस्टर नाम का एक बेहद अमीर आदमी रहता था। उसकी पत्नी, एस्थर रोज़ा, बहुत सुंदर थी और अपने बालों के ऊपर हमेशा एक काली लेस का दुपट्टा ओढ़े रहती। गोरी चिट्टी, काली आँखों वाली एस्थर रशियन, पोलिश, जर्मन और शायद फ्रेंच भाषा की भी जानकारी रखती थी, पियानो भी बजाती थी।

उनका एक ही बेटा था, बेन ज़ायोन। माँ-बेटा स्वभाव और पसंद-नापसंद के मामले में एकदम दो बूँदों के समान – एक जैसे।

बेन आकर्षक लिबास में जब भी शाम को घूमने निकलता, तो उसका गोरा रंग, काले बाल और स्वस्थ कद-काठी देखकर जवान लड़कियाँ दिल थाम कर रह जातीं और खिड़कियों के पीछे छिप कर उसे ताकतीं। अकूत संपत्ति का अकेला वारिस, घर का काम काज देखने के लिए अनेक कार्यकर्त्ता थे, लिहाजा एस्थर अपने बेटे के लिए दिन भर एक अच्छी बहू लाने के ख्वाब देखती। कोई लड़की सुंदर नहीं लगती थी तो कोई बुद्धिमान नहीं थी। आधे पोलैंड की सुंदर लड़कियों में कोई न कोई कमी निकाल कर एस्थर कुछ खास गुण वाली कन्या ढूँढ़ने के फिराक में थी।

मैं नहीं चाहती कि कोई मेरे बेंजी को सताए। अगर औरत रूखी और बदजुबान होती है तो पति को ही जिंदगी भर का दुख झेलना पड़ता है।

उन्नीस वर्षीय बेन की सगाई नहीं हुई थी। उन दिनों के हिसाब से बेन बूढ़ा हो चला था। उसके के पिता का कहना था कि माँ की मीन-मेख निकालने की आदत की वजह से लड़का शायद कभी शादी ही न कर पाए।

एक दिन एस्थर ने मुझसे कहा, ज़ेलडेल, क्या तुम मेरे साथ जामोस्क चलोगी?

वहाँ मैं क्या करूँगी? मैंने पूछा।

उससे तुम्हें क्या! तुम मेरी मेहमान बनकर रहोगी। एस्थर बोली।

एस्थर की निजी घोड़ागाड़ी थी पर आज वह साधारण गाड़ी में यात्रा कर रही थी। शानदार कपड़े छोड़ कर सादे कपड़े पहने थी और महँगी लेस के दुपट्टे की जगह मामूली स्कार्फ ओढ़े हुई थी। जरूर बहू की तलाश में उसने अपना वेश बदला होगा पर एस्थर से कौन पूछ सकता था। मन होगा तो बताएगी नहीं तो निशब्द चुप्पी। मैं तो क्या, किसी की भी पूछने की जुर्रत नहीं होगी!

रास्ते में उतर कर, हम दोनों बेरिश लुबलिनर की मशहूर दुकान पर चल कर पहुँचे। उस स्टोर में सब कुछ उपलब्ध था – सुई, धागा, स्वेटर बनाने के लिए ऊन और तमाम तरह का रोजमर्रा का सामान। स्टोर के एक कोने में एक व्यक्ति, जो शायद दुकान का मालिक था, बहीखाते में हिसाब लिख रहा था। दूसरे छोर पर बने काउंटर के पीछे एक लड़की खड़ी थी। उसकी आँखों में जैसे एक ज्वाला धधक रही थी।

आप लोग यहाँ अजनबी हैं? मैं आपके लिए क्या कर सकती हूँ?

हाँ! हम बाहर से आए हैं, एस्थर ने कहा।

क्या दिखाऊँ आपको?

एक सुई, एस्थर बोली।

जैसे ही एस्थर ने सुई की फरमाइश करी, लड़की आग बबूला हो गई।

दो औरतें और एक सुई?, उसने तंज किया।

लड़की की नाराजगी एक तरह से सही थी। सुबह सुबह बोहनी के समय अगर कोई ग्राहक सिर्फ सुई की माँग करे तो व्यापारियों का मानना था की पूरे हफ्ते अपशकुन होता है। हाँ, अगर सुई के अलावा साथ में बटन, धागा इत्यादि भी हो तो व्यापार में कोई नुकसान नहीं होगा।

हाँ, पर मुझे केवल एक सुई ही चाहिए, एस्थर रोज़ा जैसे अड़ गई थी। लड़की ने सुई का एक पूरा डब्बा सामने रख निकाल कर दिया।

कुछ और सुइयाँ भी होंगी तुम्हारे पास, एस्थर ने आग्रह किया।

इनमें क्या खराबी है? लड़की ने खिसिया कर कहा।

इनके छेद छोटे है। मुझे धागा डालने में दिक्कत महसूस होगी।

मेरे पास यही है, लड़की ने गुस्से में तमतमाते हुए कहा, अगर आप देख नहीं सकती तो अपने लिए चश्मा क्यों नहीं बनवा लेतीं?

एस्थर रोज़ा भी टस से मस नहीं हुई।

क्या तुम दावे के साथ कह सकती हो कि और सुई नहीं हैं?

इस बार लड़की ने दूसरा डब्बा काउंटर पर लगभग पटक कर दिखाया।

अरे! इन सुइयों में भी धागा मुश्किल से डलेगा।

इस पर लड़की ने डब्बा अपनी ओर खींच कर चिल्लाते हुए कहा, आप लुबलिन जा कर अपने लिए खास सुई कि फरमाइश क्यों नहीं करती हैं?

इस बात पर स्टोर में खड़ा मालिक हँसकर बोला, लगता है आपको जूट का बोरा सिलने के लिए मोटी सुई चाहिए।

लड़की ने चीख कर कहा, हिम्मत तो देखो, धेले भर के पैसे के लिए इतना नखरा दिखते हैं लोग।

एस्थर रोज़ा ने लड़की को परख लिया था। मेरी ओर देख कर एस्थर ने कहा, चलो ज़ेलडेल! न तो मुझे रूखा बोरा सिलना हैं न ही बोरे जैसी रूखी लड़की झेलनी है।

चलते समय लड़की ने पीछे से जोर से कहा, कैसे कैसे गँवारों से पाला पड़ता है। अच्छा हुआ मुक्ति मिली।

स्टोर में जो भी हुआ, मुझे अच्छा नहीं लगा। मुँह का स्वाद कसैला सा हो गया।

एस्थर रोज़ा पर जैसे इस बार पक्की तरह से बहू ढूँढ़ने का भूत सवार था। इस बार उसने रेब ज़ेलिग इबित्ज़ेर के स्टोर में धावा बोला। पहले वाले स्टोर के मुकाबले यह दुकान छोटी थी। यहाँ भी एक लड़की काउंटर के पीछे थी, लाल-लाल बाल, हरी आँखों वाली, प्यारी लेकिन चेहरे पर छिटके थे कई छोटे, बड़े तिल। एस्थर रोज़ा ने वही सवाल करने शुरू किए।

क्या सुई मिलेगी?

जवाब मिला, जी हाँ! हम सब प्रकार की चीजें बेचते हैं!

मुझे बड़े छेद वाली सुई चाहिए क्योंकि मुझे साफ दिखाई नहीं देता।

मैं आपको सभी तरह की सुइयाँ दिखा देती हूँ, जो आपको ठीक लगे, आप ले लीजिएगा।

एक चोर की तरह मेरा दिल धड़क रहा था। लड़की एक साथ दस डब्बे लेकर आई और बोली, अरे! आप खड़ी क्यों हैं? यह स्टूल लीजिए और कृपया बैठ जाइए।

एस्थर ने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, यह क्या? डब्बे में सारी सुइयाँ तो मिली जुली रक्खी हैं!'

मुझे पता था एस्थर इस लड़की के भी सब्र का इम्तिहान ले रही थी।

जब कारखाने से सुइयाँ आती हैं तो अलग होती हैं पर ग्राहकों को दिखाने में सब धीरे धीरे मिल जाती हैं।

यहाँ अँधेरा है, मुझे ठीक से दिखाई नहीं दे रहा एस्थर ने फिर कोई नुक्स निकाला।

लाइए! मैं आपका स्टूल उजाले की ओर रख देती हूँ, लड़की ने बिना किसी झुँझलाहट के कहा।

कौड़ी के मोल की सुई के लिए तुम इतनी मेहनत क्यों कर रही हो?

लड़की ने जवाब में कहा, तालमुद में कहा गया है कि चाहे कौड़ी के मोल का सामान हो या लाखों का, उसूल एक ही होना चाहिए यानी कि ग्राहक की खुशी सर्वोपरि होनी चाहिए। देखिए न! आज आप एक सुई के लिए आई हैं, कल शायद आप दहेज के लिए महँगा साटन का कपड़ा खरीदने आ जाएँ?

अच्छा! अगर ऐसी बात है तो बेरिश लुबलिनर के स्टोर के मुकाबले यहाँ तो कोई दिखाई नहीं देता। वहाँ तो भीड़ लगी रहती है, एस्थर ने जान कर दिल दुखाने वाली बात करी।

लड़की गंभीर हो उठी, मुझे लगा एस्थर हद से ज्यादा रुखाई से पेश आ रही थी।

सब कुछ ईश्वर की कृपा से होता है, लड़की ने उसी शांत भाव से उत्तर दिया।

एस्थर अपना स्टूल उठाने के लिए आगे बड़ी।

नहीं! रहने दीजिए। मैं रख दूँगी। आप तकलीफ मत कीजिए

रुको! मैं तुमसे कुछ कहना चाहती हूँ!, एस्थर ने लड़की को रोक कर कहा।

आप क्या कहना चाहती हैं?, घबरा कर लड़की ने स्टूल पर बैठते हुए कहा।

मैं तुम्हें अपनी बहू बनाना चाहती हूँ!

लड़की का रंग खड़िया की तरह सफ़ेद हो गया। घबरा कर बोली, मैं समझी नहीं?

तुम मेरी बहू बनोगी, एस्थर ने प्यार से कहा, मैं रूबशॉ के मशहूर रेब लेमेल वेगमेइस्टर की पत्नी हूँ और यहाँ सुई ढूँढ़ने नहीं, बल्कि अपने एकलौते बेटे के लिए बहू ढूँढ़ने आई थी। अभी रेब बेरिश की जो लड़की मैंने देखी, वह निहायत ही असभ्य और एक खुरदुरे पावदान जैसी थी। तुम रेशम सी कोमल हो। तुम ही मेरे बेंजी की बहू बनोगी। अपना सर झुकाओ! बेटी, मैं तुम्हें यह माला पहनाना चाहती हूँ। यह तुम्हारी सगाई की निशानी है।

लड़की के माता पिता को जब सगाई की खबर मिली तो वह भागते हुए स्टोर में आए। वातावरण में बधाई और खुशी के संदेश गूँजने लगे। किसी ने रेब बेरिश की लड़की, इट्टी, को भी सगाई का संदेश दिया वह दुख के मारे फूट फूट के रो पड़ी।

एस्थर ने अपने बेटे की शादी खूब धूमधाम से संपन्न की। मैंने तो सगाई और शादी में जी भर के नृत्य किया। दूल्हा-दुल्हन का जोड़ा फाख्ता चिड़ियों की तरह आजीवन प्यार में डूबा रहा। एक वर्ष बाद एक सुंदर संतान हुई। एस्थर रोज़ा का चुनाव सौ प्रतिशत सही निकला।

और आपको बताऊँ कि इट्टी का क्या हुआ? किस्मत जब खराब होती हे तो सब कुछ उल्टा पुल्टा होता जाता है। जिस दिन से इट्टी को पता चला कि एस्थर रोज़ा ने उसे सुई की वजह से त्याग दिया था, उस दिन से वह गहरे सदमे में थी। उसने ग्राहकों को सामान बेचना छोड़ दिया। वह दिन रात उसी बात को याद करके रोती थी। शादी तय करने वाले बिचौलिये उसके लिए कई प्रस्ताव लेकर आते पर वह इनकार कर देती। उसकी स्टोर में दिलचस्पी खत्म होने से व्यापार में भारी घटा हुआ। कुछ वर्षों अवसाद में बिताने के बाद उसने लुबलिन के एक तलाकशुदा व्यक्ति से शादी रचा ली। उसके संतान नहीं हुई। जीवन के सारे दुर्भाग्यों को वह एस्थर रोज़ा की बहू, फ्रीडा गिट्टेल, के मत्थे मढ़कर उसको कोसती, और मानसिक परेशानियों के चलते, नीम हकीम और वैद्यों के अलावा चिकित्सकों के पास किसी न किसी बीमारी का निदान पाने के लिए भागती रहती थी।

एक दिन कपड़ा सीने के दौरान, सुई में धागा डालने के लिए उसने सुई अपने मुँह में दबाई। तत्काल उसे गले में चुभन महसूस हुई और सुई गायब हो गई। कहा जाता है शरीर में रक्त के प्रवाह के साथ सुई घूमती रहती है।

दिन रात इट्टी चीखती रहती। उसे लगता जैसे शरीर में अलग अलग हिस्सों में सुई चुभ रही है। कोई कहता उसकी अंतरात्मा उसे कचोट रही है। कोई कहता उसके बुरे कर्मों का फल है।

बहुत कष्ट सहने के बाद इट्टी विएना गई जहाँ के नामी सर्जन ने शल्य चिकित्सा से उसकी सुई निकाली और उसको प्रमाण के रूप में सुई दिखाई। अब सच में सुई निकली थी की नहीं, मैं कह नहीं सकती क्योंकि मै वहाँ नहीं थी पर इसका प्रभाव अच्छा ही रहा। इट्टी मानसिक रूप से ठीक हो गई।

वापस आकर इट्टी पहले जैसी स्वस्थ हो गई। वह कभी माँ न बन सकी। माता पिता उसके चल बसे थे। व्यापार ठप्प हो चुका था। उसने फिर से स्टोर खोला और अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा लौटाने में वह सफल हुई। जो वार्तालाप उसके और एस्थर के बीच कभी घटा था, वह इट्टी द्वारा कभी दोहराया नहीं गया। जो भी उसके स्टोर में आता, चाहे कितने भी कम दाम का सामान खरीदता, इट्टी उससे विनम्रता से बात करती और उसे बैठने के लिए कुर्सी जरूर देती। एक सुई ने कैसे लोगों की किस्मत बदल दी! दिखने में थी तो तुच्छ पर सुई थी बड़ी कमाल की!

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्

।। चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम।।

गुरु द्वारा परिचय पूछे जाने पर बाल्यावस्था में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वारा दिया गया उत्तर निर्वाण षटकम कहलाया। वेद और वेदांतों का मानो सार है निर्वाण षटकम। इसका पहला श्लोक कहता है,

मनोबुदध्यहङ्कार चित्तानि नाहं
न च श्रोत्रजिह्वे न च घ्राणनेत्रे ।
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायुः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

मैं न मन हूँ, न बुद्धि, न ही अहंकार। मैं न श्रवणेंद्रिय (कान) हूँ, न स्वादेंद्रिय (जीभ), न घ्राणेंद्रिय (नाक) न ही दृश्येंद्रिय (आँखें)। मैं न आकाश हूँ, न पृथ्वी, न अग्नि, न ही वायु। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ।

मनुष्य का अपेक्षित अस्तित्व शुद्ध आनंदमय चेतन ही है। आनंद से परमानंद की ओर जाने के लिए, चिदानंद से सच्चिदानंद की ओर जाने के लिए साधन है मनुष्य जीवन। सर्वसामान्य मान्यता है कि यह यात्रा कठिन है। असामान्य यथार्थ यह कि यही यात्रा सरल है।

इस यात्रा को समझने के लिए वेदांतसार का सहारा लेते हैं जो कहता है कि अंत:करण और बहि:करण, इंद्रिय निग्रह के दो प्रकार हैं। मन, बुद्धि और अहंकार अंत:करण में समाहित हैं। स्वाभाविक है कि अंत:करण की इंद्रियाँ देखी नहीं जा सकतीं, केवल अनुभव की जा सकती हैं। संकल्प- विकल्प की वृत्ति अर्थात मन, निश्चय-निर्णय की वृत्ति अर्थात बुद्धि एवं स्वार्थ-संकुचित भाव की वृत्ति अर्थात अंहकार। इच्छित का हठ करनेवाले मन, संशय निवारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाली बुद्धि और अपने तक सीमित रहनेवाले अहंकार की परिधि में मनुष्य के अस्तित्व को समेटने का प्रयास हास्यास्पद है।

बहि:करण की दस इंद्रियाँ हैं। इनमें से चार इंद्रियों आँख, नाक, कान, जीभ तक मनुष्य जीवन को बांध देना और अधिक हास्यास्पद है।

सनातन दर्शन में जिसे अपरा चेतना कहा गया है, उसमें निर्वाण षटकम के पहले श्लोक में निर्दिष्ट आकाश, भूमि, अग्नि, वायु, मन, बुद्धि, अहंकार जैसे स्थूल और सूक्ष्म दोनों तत्व सम्मिलित हैं। अपरा प्रकृति केवल जड़ पदार्थ या शव ही जन सकती है। परा चेतना या परम तत्व या चेतन तत्व या आत्मा का साथ ही उसे चैतन्य कर सकता है, चित्त में आनंद उपजा सकता है, चिदानंद कर सकता है। आनंद प्राप्ति में दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। दृष्टिकोण में थोड़ा-सा परिवर्तन, जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लाता है। मनुष्य का अहंकार जब उसे भास कराने लगता है कि उसमें सब हैं, तो यह भास, उसे घमंड से चूर कर देता है। दृष्टिकोण में परिवर्तन हो जाए तो वह धन, पद, कीर्ति पाता तो है पर उसके अहंकार से बचा रहता है। वह सबमें खुद को देखने लगता है। सबका दुख, उसका दुख होता है। सबका सुख, उसका सुख होता है। वह 'मैं' से ऊपर उठ जाता है।

यूँ विचार करें करें कि जब कोई कहता है 'मैं' तो किसे सम्बोधित कर रहा होता है? स्वाभाविक है कि यह यह 'मैं' स्थूल रूप से दिखती देह है। तथापि यदि आत्मा न हो, चेतन स्वरूप न हो तो देह तो शव है। शव तो स्वयं को सम्बोधित नहीं कर सकता। चिदानंद चैतन्य, शव को शिव करता है और जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के शब्द सृष्टि में चेतनस्वरूप की उपस्थिति का सत्य, सनातन प्रमाण बन जाते हैं। इसीलिए कहा गया है, 'शिवोहम्',..मैं शिव हूँ..'मैं' से शव का नहीं शिव का बोध होना चाहिए। यह बोध मानसपटल पर उतर आए तो यात्रा बहुत सरल हो जाती है। यात्रा सरल हो या जटिल, इसमें अभ्यास की बड़ी भूमिका है। अभ्यास के पहले चरण में निरंतर बोलते, सुनते, गुनते रहिए, 'शिवोऽहम।'

बोध कथा

तीन पुतले

महाराजा चन्द्रगुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज़ एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पूछने पर कि क्या नया है; पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखें हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं, दूसरे का मूल्य एक हज़ार मोहरे हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार के उसने सभासदों को पुतले दिये और कहा कि इन में क्या अन्तर है मुझे बताओ। सभासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुत्थी को सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं ताचाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो।

चन्द्रगुप्त के पूछने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है। कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हज़ार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

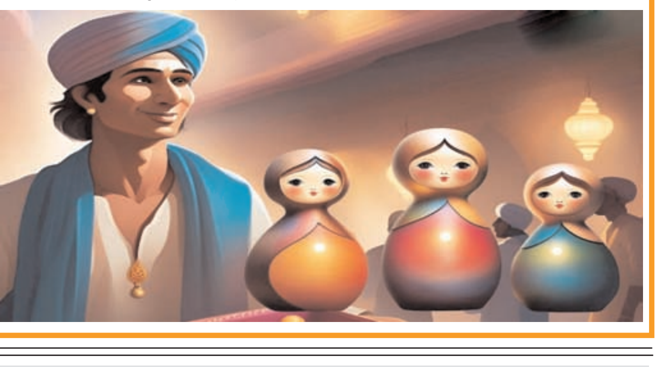

वीर गाथा

परषोत्तम कुमार: किसान के वेश में वीर योद्धा, मोर्चा संभाला और करवा दिया आतंकवादियों का खात्मा

आतंकवाद से लड़ने और उसका खात्मा करने में हमारे सुरक्षा बलों का महान योगदान है। एक सैनिक जब किसी आतंकवादी पर गोली चलाता है, तो उससे पहले कई प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। आतंकवादी कहां छिपा है, किस रास्ते से आएगा, कब आएगा – जैसी महत्त्वपूर्ण सूचनाएं आम नागरिकों के जरिए मिलती हैं। जो नागरिक भारत की एकता, सुरक्षा और अखंडता को कायम रखने के लिए योगदान देते हैं, वे भी देश के योद्धा होते हैं। ऐसे ही एक योद्धा हैं- परषोत्तम कुमार। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के निवासी परषोत्तम ग्राम रक्षा समिति के सदस्य हैं। माता संतोष देवी और पिता प्रेमनाथ के बेटे परषोत्तम पेशे से किसान हैं। इस परिवार के दिल में 'जय जवान' और 'जय किसान', दोनों भावनाएं दृढ़ता से मौजूद हैं। ये लोग धरती को अपनी मां मानकर खेती करते हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर को आतंकवादियों से निजात दिलाने के लिए सुरक्षा बलों का सहयोग करते हैं।

परषोत्तम अगस्त 2023 में ईंधन के लिए लकड़ियां लेने अपने परिवार के साथ जंगल में गए थे। वहां उन्हें दो अनजान लोग नज़र आए। परषोत्तम को शक हुआ कि कहीं ये आतंकवादी तो नहीं हैं?

उन्होंने ध्यान से देखा तो पता चला कि दोनों लोगों के पास बैग और हथियार थे। परषोत्तम ने खतरे को भांपते हुए अपने परिवार को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया और तुरंत सुरक्षा बलों को सूचित कर दिया। इसके बाद वे अपना हथियार ले आए और मोर्चा संभाल लिया। आतंकवादी कहीं भाग न जाएं, इसे ध्यान में रखते हुए परषोत्तम ने उनका पीछा किया।

अब तक आतंकवादियों को भी पता लग चुका था कि कोई उनका पीछा कर रहा है। उन्होंने परषोत्तम को नुकसान पहुंचाना चाहा, लेकिन इसी दौरान सुरक्षा बलों के जवान आ गए और आतंकवादियों को ढेर कर दिया। परषोत्तम कुमार ने जिस तरह वीरता, देशभक्ति और साहस का प्रदर्शन किया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पटना में शनिवार को पटना पहुँचते ही उफनती गंगा नदी के पानी में नाव से उतरते लोग।

हिमाचल प्रदेश के दो भाइयों ने एक ही महिला से की शादी, लुप्त होती बहुपति परंपरा को अपनाया

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के शिलाई गांव में हट्टी जनजाति के दो भाइयों ने बहुपति की प्राचीन परंपरा के तहत एक ही महिला से शादी की। इस अनूठी शादी के कई लोग गवाह बने।

दुल्हन सुनीता चौहान और दूल्हे प्रदीप और कपिल नेगी ने कहा कि उन्होंने बिना किसी दबाव के यह फैसला लिया है।

सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी इलाके में इस विवाह की रस्में 12 जुलाई को शुरू हुई और तीन दिनों तक चली। इस दौरान स्थानीय लोकगीतों और नृत्यों की प्रस्तुति हुई। इस विवाह समारोह के वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हो रहे हैं।

कुन्हाट गांव की रहने वाली सुनीता ने कहा कि वह इस परंपरा से अवगत थीं और उन्होंने बिना किसी दबाव के यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि वह इस नये संबंध का सम्मान करती हैं।

शिलाई गांव के प्रदीप एक सरकारी विभाग में काम करते हैं जबकि उनके छोटे भाई कपिल विदेश में नौकरी करते हैं।

प्रदीप ने कहा, ''हमने सार्वजनिक रूप से इस परंपरा का पालन किया, क्योंकि हमें इस पर गर्व है और यह मिलकर लिया गया एक फैसला था।''

कपिल ने कहा कि वह भले ही विदेश में रहते हों, लेकिन इस विवाह के माध्यम से, ''हम एक संयुक्त परिवार के रूप में अपनी पत्नी के लिए समर्थन, स्थिरता और प्यार सुनिश्चित कर रहे हैं''।

हुर्रियत 'अप्रासंगिक', कश्मीरियों को आगे बढ़ भारत में अपने लिए जगह ढूंढ़नी होगी : बिलाल लोन

श्रीनगर/भाषा। पूर्व अलगाववादी नेता बिलाल गनी लोन ने कहा है कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस अपनी अप्रासंगिकता के लिए खुद जिम्मेदार है और अब वह ''निष्क्रिय अवस्था'' में है। उन्होंने साथ ही जम्मू-कश्मीर में ''गड़बड़ी'' और ''दरार'' पैदा करने के लिए पाकिस्तान की भी आलोचना की।

लोन की टिप्पणी पारंपरिक अलगाववादी रुख से अलग है, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि हुर्रियत और पाकिस्तान दोनों ने क्षेत्र में प्रगति लाने के अवसरों को गंवा दिया है।

पूर्व अलगाववादी के मुताबिक, मुख्यधारा की राजनीति में आने के पीछे की मुख्य प्रेरणा अगली पीढ़ी है। उन्होंने युवा पीढ़ी से इस वास्तविकता को स्वीकार करने का आग्रह किया कि भारत ''बहुत बड़ी शक्ति'' है, जिससे लड़ना संभव नहीं है। लोन ने युवाओं को सलाह दी कि वे देश को राजनीतिक दलों के चश्मे से न देखें, बल्कि देश के भीतर अपने लिए जगह बनाने के लिए ''भारत को भारत के रूप में देखें''।

लोन ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को पिछले 35 वर्षों के बारे में सच्चाई बताई जानी चाहिए क्योंकि उनके पास इस नए राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने के अलावा ''कोई अन्य विकल्प नहीं है'' क्योंकि ''शोषण की राजनीति को रोकना होगा''।

लोन ने 'पीटीआई वीडियो' से विशेष बातचीत में कहा कि 1993 में गठित अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने घाटी में अपनी प्रासंगिकता खो दी है। उन्होंने कहा, ''आज की तारीख में हुर्रियत प्रासंगिक नहीं है। हुर्रियत सक्रिय भी नहीं है। ईमानदारी से कहें तो... जब आप आज की तारीख में हुर्रियत की बात करते हैं, तो वह कश्मीर में कहीं भी मौजूद नहीं है।''

लोन ने स्वीकार किया कि लोगों ने अतीत में हुर्रियत पर अपना भरोसा जताया था, लेकिन मौजूदा सच्चाई उससे अलग है। उन्होंने कहा, ''हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है, क्योंकि हम कदम नहीं उठा सके। उस समय हुर्रियत की अवधारणा अच्छी रही होगी... लेकिन जब हम आज हुर्रियत को देखते हैं, तो वह सक्रिय नहीं दिखती और कहीं न कहीं हुर्रियत लड़खड़ा गई है, इसमें कोई संदेह नहीं है।''

लोन ने पाकिस्तान की भूमिका की भी समान रूप से आलोचना की और कहा, ''हमने कई बयान सुने हैं, लेकिन इनसे से कुछ भी नहीं निकला है।'' उन्होंने कहा कि ''पाकिस्तान को कश्मीर में दरार पैदा करने के बजाय, यहां हालात को बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए।'' उन्होंने इस विचार को खारिज किया कि पाकिस्तान कभी बलपूर्वक कश्मीर ''हासिल'' कर लेगा। उन्होंने इसे ''बेहद मूर्खतापूर्ण विचार'' बताया।

लोन ने अपनी बात स्पष्ट करने के लिए हाल ही में सीमा पर बढ़े तनाव का उदाहरण दिया, जिसमें 48 घंटे तक युद्ध जैसी स्थिति रही। उन्होंने कहा, ''सीमा पर एक इंच भी बदलाव नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा कि कश्मीरियों को अब आगे बढ़ना होगा।

जश्न

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और अन्य लोग शनिवार को जींद जिले के जुलाना स्थित नंदगढ़ गाँव में एक जनसभा के दौरान। रेखा गुप्ता ने अपने पैतृक गाँव नंदगढ़ का दौरा किया और हरियाणा के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अपना जन्मदिन मनाया।

भारत में बहुसंख्यक हिंदुओं के कारण अल्पसंख्यकों को पूरी स्वतंत्रता हासिल है: किरण रिजीजू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की वजह से भारत में अल्पसंख्यकों को पूर्ण स्वतंत्रता और सुरक्षा हासिल है। उन्होंने कहा कि यह देश अल्पसंख्यकों के लिए सर्वाधिक सुरक्षित जगह है।

'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसा एक भी मामला नहीं मिला है जहां अल्पसंख्यक समुदाय का कोई सदस्य देश में किसी भी चीज से वंचित होने के कारण भारत से पलायन करने की इच्छा रखता हो। उन्होंने ''कांग्रेस पार्टी समर्थित वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र'' पर आरोप लगाया कि वह लगातार यह विमर्श चलाने में लिप्त है कि अल्पसंख्यकों को ''भारत में प्रताड़ित किया जा रहा है, उनका कत्लेआम किया जा रहा है, उनकी पीट-पीटकर हत्या की जा रही है और वे सुरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के विमर्श देश के लिए मददगार नहीं हैं।

अपने पूर्ववर्ती मुख्तार अब्बास नकवी के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर जिसमें उन्होंने मंत्री रहते हुए कहा था कि भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है, रिजीजू ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां ''लोग कानून का पालन करते हैं, हम धर्मनिरपेक्ष हैं, हमारा एक संविधान है, और इसलिए चाहे बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, सभी समान हैं।''

रिजीजू ने शुक्रवार को यहां 'पीटीआई-भाषा' के मुख्यालय में कहा, ''अब यह कहने के बाद, मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि जो कुछ बहुसंख्यक समुदाय को मिलता है, अल्पसंख्यक समुदायों को भी मिलता है, लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जो अल्पसंख्यकों को तो मिलती हैं, लेकिन बहुसंख्यक समुदाय को नहीं मिलतीं।''

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''अगर आप इतिहास को संक्षेप में देखें, तो चीनी कब्जे के कारण तिब्बत में कुछ समस्याएं थीं और तिब्बती भारत आ गए। म्यांमा में कुछ लोकतांत्रिक आंदोलन और समस्याएं थीं और लोकतांत्रिक कार्यकर्ता भारत आए। श्रीलंका में कुछ समस्याएं थीं, श्रीलंकाई तमिल भारत आए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हुआ, वे सभी भारत आए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान से (कई लोग भारत आए)।''

करण वीर मेहरा को मिलेगा 'डॉन 3' में विलेन का रोल!

मुंबई,। अभिनेता और 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा को मशहूर निर्माता कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। खबर है कि करण को आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में खलनायक की भूमिका में लेने के लिए विचार किया जा रहा है। यह रोल पहले विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद यह मौका करण को मिल सकता है। इंडस्ट्री के एक करीबी सूत्र ने बताया, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में फिल्म 'सिला' से उनका फर्स्ट लुक सामने आया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ऐसे में उन्हें 'डॉन 3' में विलेन रोल के लिए अप्रोच किया जा सकता है।

फरहान अख्तर निर्देशित 'डॉन 3' इस लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज की संभावना दिसंबर 2026 तक है। यह फ्रेंचाइजी 1978 में बनी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'डॉन' से शुरू हुई थी। इसके बाद 2011 में इसके रीमेक 'डॉन: द चेज़ बिगिन्स' में शाहरुख खान लीड एक्टर के तौर पर नजर आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वर्तमान में 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी दमदार फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर उमंग कुमार निर्देशित 'सिला' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह 'जहराक' नाम के विलेन का खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें वह खून से लथपथ, लंबे उलझे बाल और हाथ में तलवार लिए नजर आए। इस लुक को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ!' इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि सादिया फिल्म 'रक्षा बंधन' में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी।

'सिला' को जी स्टूडियोज की ओर से दिखाया जायेगा। इसे ब्लू लोटस पिक्चर्स और स्टार्क एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। साथ ही इनोवेशन्स इंडिया भी इस फिल्म में जुड़ा है। 'डॉन 3' में करण वीर मेहरा की एंट्री दर्शकों के लिए एक नया रोमांच लेकर आ सकती है। फैंस फिल्म से जुड़ी आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं।

गीता दत्त की गायकी में छलकते थे जज्बात, दीवानी थीं लता मंगेशकर

मुंबई/एजेन्सी

गायकी सिर्फ सुर और ताल का खेल नहीं होती, बल्कि यह दिल से जुड़े एहसास का रूप होती है। जब कोई गायक अपनी आवाज में दिल की सच्ची भावनाएं डालता है, तो उसका गीत सीधे हमारे दिल तक पहुंच जाता है। गीता दत्त ऐसी ही गायिका थीं, जिनकी आवाज में सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि उनके जज्बात भी छलकते थे। उनकी आवाज में एक खास तरह का दर्द, प्यार और खनक होती थी, जो सुनने वाले को अंदर तक छू जाती थी। यही वजह थी कि उस दौर की सबसे बड़ी गायिका लता मंगेशकर भी उनकी गायकी की दीवानी थीं। लता मंगेशकर ने कई बार कहा था कि गीता दत्त एक खास तरह की गायिका हैं, जिनकी गायकी में एक अलग ही प्यार और जुड़ाव था, जो उन्हें बहुत पसंद आता था। उन्होंने अपनी किताब 'लता सुर गाथा' में भी गीता दत्त का जिक्र किया था और उन्हें नेकदिल लड़की बताया था। अपनी किताब में उन्होंने उस पल को बयां किया, जब उन्हें गीता दत्त के निधन की खबर मिली थी।

किताब के जरिए लता मंगेशकर ने कहा, ''गीता दत्त को क्या हुआ कि मुझे मालूम ही नहीं चल सका कि उसकी मृत्यु हुई है। ताज्जुब की बात तो यह थी कि मुझे सलिल चौधरी जी का फोन आया और उन्होंने कहा, 'लता, तुम तुरंत चली आओ, गीता के साथ ऐसे-ऐसे हुआ है।' मुझे एकाएक धक्का लगा और मैं जब गई तो वे मुझे गीता के अंतिम दर्शन कराने लेकर गए। गीता से मेरी बहुत पटती थी और वह बहुत नेकदिल लड़की थी, इसलिए उसका अचानक यूं चले जाना कहीं भीतर निराश कर गया।''

गीता दत्त और लता मंगेशकर की पहली मुलाकात फिल्म 'शहनाई' के एक गाने 'जवानी की रेल चली जाय रे' की रिकॉर्डिंग के दौरान हुई थी। इस गाने में सुरों की दो रानियों ने अपनी मधुर आवाज दी थी। अपनी किताब में लता मंगेशकर ने गीता दत्त से जुड़ी एक दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने बताया कि गीता दत्त का बोलने का तरीका पूरी तरह बंगाली था, जैसे बंगाल के लोग हिंदी बोलते हैं, वैसे ही। लेकिन जैसे ही गीता माइक के सामने आतीं, मानो कोई जादू हो जाता। उनका लहजा बदल जाता, उच्चारण बिल्कुल साफ-सुथरा हो जाता, और हिंदी इतनी सटीक हो जाती कि कोई सोच भी नहीं सकता कि ये वही बंगाली लड़की है जो अभी तक तो बंगालीनुमा हिंदी बोल रही थी। उनके इस अनोखे अंदाज के चलते लता उनकी दीवानी थीं। 23 नवंबर 1930 को फरीदपुर (जो अब बांग्लादेश में है) में जन्मी गीता दत्त को बचपन से ही संगीत से खासा लगाव था। जब उनका परिवार कोलकाता से मुंबई आया, तब उनकी उम्र करीब 16 साल थी। यहीं से उनके संगीत सफर की शुरुआत हुई।

ओटीटी से पहले टीवी पर आ रही है 'कंगुवा'

मुंबई/एजेन्सी

तैयार हो जाइए एक ऐसी दुनिया में कदम रखने के लिए, जो जितनी भव्य है, उतनी ही दिल दहला देने वाली भी है। कंगुवा- पुनर्जन्म, बदले और जुनूनी जज़्बातों की वह दास्तान है, जहाँ कबीलों की टक्कर, योद्धाओं का जुनून और सदियों पुराने वादों का एक जोरदार मेल देखने को मिलेगा। समय के इस चक्र में देखिए सूर्या को एक ऐसे अवतार में, जैसा आपने पहले कभी नहीं देखा होगा और बॉबी देओल को एक खतरनाक, अप्रत्याशित विलेन के रूप में, जिसमें वे पूरी तरह बदले हुए अंदाज़ में नज़र आते हैं। दमदार परफॉर्मेंस, हैरतअंगेज़ विजुअल्स और जबर्दस्त ट्रांसफॉर्मेशन से भरी यह फिल्म ओटीटी से पहले टीवी पर धमाल मचाने आ रही है। तो तैयार हो जाइए इस बेमिसाल वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के लिए, रविवार 20 जुलाई, रात 8 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर। सुपरहिट फिल्मों 'विश्वासम' और 'वेदालम' के निर्देशक शिवा की यह मेगा फिल्म कंगुवा आपको एक ऐसी अनोखी दनिया में ले जाती है, जहाँ हर डिटेल का अपना एक मकसद है।

हर कबीले की संस्कृति, उनके रीति-रिवाज़, पहनावे से लेकर उनके हथियारों तक, सब कुछ इतनी खूबसूरती से गढ़ा गया है कि ये प्राचीन होते हुए भी पूरी तरह आपको अपनी दुनिया में खींच लेते हैं। दो जन्मों की कहानी को बड़ी ही खूबसूरती से बयाँ करती कंगुवा का हर सेट, हर दृश्य और हर मोड़ आपको एक जज़्बाती और जबर्दस्त अनुभव देता है। अपनी थिएटर रिलीज़ पर इस फिल्म ने दुनिया भर के दर्शकों को चौंका दिया था और बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई की थी।

और अब, टीवी दर्शकों के लिए यह अनुभव फिर से लौट रहा है और तो और इस बार और भी ज्यादा असरदार अंदाज़ में। जब एक निडर योद्धा करता है ऐसा वादा, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता, तब शुरू होती है एक गाथा, जो जन्मों तक गूँजती है। दो टाइमलाइन्स को जोड़ने वाली यह कहानी बताती है कि कैसे सदियों पुराने एक महान योद्धा और एक छोटे-से बच्चे की कड़ी एक रहस्यमय मोड़ पर आकर आज के समय में फिर जुड़ती है। सवाल उठता है कि क्या जन्मों के पार जाकर किस्मत खुद को फिर से लिख सकती है?

'द गर्लफ्रेंड' में काम कर गदगद हुए धीक्षित शेट्टी

चेन्नई । एक्टर धीक्षित शेट्टी की हालिया परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। निर्देशक राहुल रविंद्रन की मोस्ट-अवेटेड फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के पहले गाने 'नाधिवे' में धीक्षित के डांस परफॉर्मेंस को खूब सराहना मिल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर टीम का आभार जताया। शनिवार को धीक्षित ने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखकर को-स्टार रश्मिका मंदाना का आभार जताया। धीक्षित ने गाने के सेट से तस्वीरें और बिहाइंड-द-सीन वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पता नहीं कहां से शुरू करूं। इतने बड़े सेट पर पहली बार डांस करना मेरे लिए यादगार अनुभव था। यह एक छोटा, लेकिन शानदार रोलर-कोस्टर सफर रहा। उन्होंने निर्देशक राहुल रविंद्रन और निर्माताओं विद्या कोप्पिनीदी, धीरज मोगिलिनेनी और गीता आर्ट्स को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, राहुल सर ने हमेशा कुछ नया सोचा और हम पर भरोसा जताया। निर्माताओं का पूरा समर्थन रहा, इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

धीक्षित ने कोरियोग्राफर विश्व किरण नंबी और उनकी टीम श्रीजनी राव और तेजस गौड़ा की तारीफ की, जिन्होंने मुश्किल मूव्स को भी आसान बना दिया। रश्मिका के लिए उन्होंने लिखा, मेरी शानदार को-स्टार रश्मिका, मुझ पर भरोसा करने के लिए आपको धन्यवाद। शानदार मूव्स करना आसान नहीं था।

लेकिन, आपने इसे इतनी खूबसूरती से किया। आप स्टार हो और सच्ची प्रेरणा। उन्होंने फिजियो गायत्री शेट्टी को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण शूट के दौरान उनकी और रश्मिका की थकान और चोटों को ठीक किया। धीक्षित ने बताया कि 'नाधिवे' ने 1 करोड़ से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं। उन्होंने कहा, आपके प्यार ने इस गाने को अपना बना लिया। इसके लिए मैं आभारी हूं। 'द गर्लफ्रेंड' का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है, जबकि इसका संगीत हेशम अब्दुल वहाब ने दिया है और सिनेमाटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है।

मैं काम में स्पष्टता और विजन से समझौता नहीं करती : तनीषा मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने बताया कि वह पहले की तुलना में अब प्रोजेक्ट्स का चुनाव करने में सतर्क हो चुकी हैं। अब वह ऐसे काम करना चाहती हैं, जहां स्पष्टता और नया नजरिया दोनों हों। तनीषा ने करियर में की गई गलतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि अब वह केवल उन प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट विजन और पैशन दोनों हों। तनीषा ने कहा, एक कलाकार के रूप में हम अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करते हैं। कभी यह सही होता है, तो कभी गलत। मैंने भी अपने करियर में कई गलतियां की हैं। लेकिन, आत्ममंथन और अनुभव से मैंने सीखा है कि पुरानी गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। पहले मैं लोगों के विजन पर भरोसा कर उनके साथ काम कर लेती थी। लेकिन, कई बार यह भरोसा मुझे भारी पड़ा और मैं निराश हुई। अब मैं समय और एनर्जी केवल उन प्रोजेक्ट्स में लगाना चाहती हूं, जहां पूरी स्पष्टता हो।

तनीषा ने कहा, लोगों पर भरोसा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना अच्छा है, लेकिन अगर यह आपके काम और विश्वसनीयता की कीमत पर हो, तो यह समझदारी नहीं। अब मैं केवल उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनके पास स्पष्ट विजन और ज्ञान हो। वे चाहे अनुभवी हों या नए, लेकिन उनका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

तनीषा का मानना है कि आज के कई नए निर्देशक सिनेमा का गहन अध्ययन करते हैं और पूरी तैयारी के साथ आते हैं। वे कहती हैं, पहली बार फिल्म बनाने वाला निर्देशक भी शानदार काम कर सकता है, बशर्ते उसने अपना होमवर्क अच्छे से किया हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा नई संभावनाओं को तलाशना

चाहती हूं और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं। लेकिन, अब मैं उन लोगों के साथ काम नहीं करूंगी, जो अभी भी 'खोज' रहे हैं।

उनके लिए अब दो चीजें ऐसी हैं, जिसे लेकर वह समझौता नहीं कर सकती और वह हैं स्पष्टता और विजन। तनीषा ने कहा, अनुभव से आप समझ जाते हैं कि कौन स्पष्टता के साथ आ रहा है और कौन नहीं। मैं अब उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जो पैशन और स्पष्ट नजरिए के साथ प्रोजेक्ट बनाते हैं, न कि सिर्फ फिल्म बनाने के लिए। आजकल लोग दूसरों की नकल करने में लगे हैं, लेकिन मैं कॉपीकैट्स के साथ काम नहीं करना चाहती। मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनमें पैशन, स्पष्टता और अपना नजरिया हो।

'इलाका' सीरीज में कैसा होगा अपूर्वा अरोड़ा का किरदार ? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा जल्द ही नई वेब सीरीज 'इलाका' में अविवा का किरदार निभाती नजर आएंगी। 'इलाका' सीरीज में अविवा साउथ बॉम्बे की एक अमीर लड़की है। वह एक ऐसे लड़के से प्यार कर बैठती है जो मुंबई के चॉल में रहता है। वह लोगों को उनके परिवार, पैसे या समाज में उनकी स्थिति से नहीं देखती। वह हर किसी को उनकी असली पहचान, उनके दिल और उनके अच्छे गुणों से देखती है। वह प्यार और इंसानियत को सबसे ऊपर रखती है। अपूर्वा ने कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता एक ऐसी उम्मीद की किरण बन जाता है जो प्रेम कहानियों में खुशियों की रोशनी लेकर आता है।

उन्होंने कहा, ''अविवा बहुत अमीर लड़की है जो साउथ बॉम्बे से है, और वह एक चॉल के लड़के को डेट कर रही है। उसे लोगों के सोशल स्टेटस की परवाह नहीं है, वह लोगों को उनकी असली पहचान से देखती है। उसका दिल बहुत साफ और सच्चा है। इस सीरीज में कई रहस्य और रोमांच हैं, इसलिए मैं कहानी के बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, लेकिन अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता इस मुश्किल दुनिया में खुशियां लेकर आता है।'' हाल ही में मेकर्स ने सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें दिखाया गया है कि यहां सब कुछ वैसा नहीं होता जैसा दिखता है। लोग और उनके इरादे अक्सर अलग होते हैं। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती, अपूर्वा का किरदार खास और असरदार छाप छोड़ता जाता है। ये कहानी रिश्ते की जटिलता, प्यार, तनाव, टकराव और रहस्य से भरी हुई है। अपूर्वा ने अक्षय कुमार की फिल्म 'हॉलिडे' में उनकी बहन का किरदार निभाया था। इसके अलावा, वह परेश रावल और अक्षय कुमार की फिल्म 'ओ माय गॉड' का भी हिस्सा रहीं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

इस संसार मे व्यक्ति के लिए धन वैभव, पद-प्रतिष्ठा, मान सम्मान, दौलत-शोहरत का मिलना सहज है मगर संत समागम और जिनवाणी का श्रवण दुर्लभ है। संत समागम से जीवन की धारा बदलती है। सोच और जीवन शैली सम्यक होती है। विपरीत हालातों में इधर उधर भटक कर मन को बहलाया तो जा सकता है मगर समस्या का स्थायी तौर पर समाधान तो मन को बदलने से ही प्राप्त होगा। और मन मे सकारात्मक बदलाव संत समागम और भगवान की वाणी से सहज संभव है। जीवन में शांति का अनुभव करने के लिए समता की साधना अर्थात सामायिक साधना करना बेहद जरूरी है। सामायिक साधना आत्मा का टॉनिक है।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में अग्रखेल अंतरविद्यालय टूर्नामेंट का समापन समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 18 जुलाई को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में पाँच दिवसीय अग्रखेल अंतरविद्यालय टूर्नामेंट खेल प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम किया गया। अग्रखेल प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए खेलों के प्रति रुचि बढ़ाकर उनके अंदर की छिपी प्रतिभा को निखारना है। इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों को सम्मिलित किया गया था जैसे – हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, थ्रो बॉल आदि। इस प्रतियोगिता में चेन्नई के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों से लगभग 1300 से भी अधिक संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

इस समापन समारोह में इंडियन ओवरसीज बैंक के सहायक मैनेजर तथा इंटरनेशनल बास्केटबॉल खिलाड़ी एस. प्रसन्ना वेंकटेश ने मुख्य अतिथि पद को गौरवान्वित किया। क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष गौरव जैन ने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया। क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष गौरव जैन, कोषाध्यक्ष सावरमल खेमका तथा अग्रवाल रिलीज एंड एजुकेशनल ट्रस्ट बोर्ड के प्रबंध न्यासी एवं अग्रवाल विद्यालय के सचिव तथा संवाददाता मुरारीलाल सोंथालिया ने शॉल, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि तथा समिति सदस्यों ने विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र, तथा व्यक्तिगत ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस समारोह में विद्यालय अध्यक्ष मधुसूदन खेमका, संयुक्त सचिव राजेश छावछरिया, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, समिति सदस्य मनोहर लाल बगाड़िया, प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव, समस्त पी. टी. विभाग, अन्य शिक्षकगण, अभिभावकगण तथा छात्रों ने अपनी उपस्थिति देकर समारोह की शोभा बढ़ाई। संचालन छात्रा रीति भंडारी, जेशिता तथा अक्षिता ने किया। कोषाध्यक्ष सावरमल खेमका ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी एकल अभियान की तीन दिन की बैठक आंचल कार्यकर्ता की बुधवार से शुरु हुई। अलग–अलग गांवों से शहरों से पधारे 20 कार्यकर्ताओं को यहां पर प्रशिक्षित दिया गया।शंकर, माधव के नेतृत्व में कार्तिकेन की देखरेख में बड़े उत्साहित से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम कि शुरुआत अध्यक्ष शिव कुमार गोयन्का, प्रवींण टाटीया एवं गिरी बागडी द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित से हुई।

रामेश्वरम् तीर्थ यात्रा
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां माहेश्वरी महिला मंडल चेन्नई ने अपने सत्र की पहली यात्रा सावन के पवित्र माह में रामेश्वरम् और मदुरै में देवी देवताओं के दर्शन से शुरु की। 16 से 18 जुलाई तक निकाली इस यात्रा में 26 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हुए।कार्यक्रम के समन्वयक श्रीकांता मोहता और राजकुमारी बिहानी रहीं। संयोजक बंशीधर सारदा का जिनका हमे समय समय पर मार्गदर्शन मिला पूरा सहयोग मिला। महिला मंडल की अध्यक्ष ममता बागडी और सचिव कुसुम मालपानी ने सहयोग के राधेश्याम चांडक एवम अशोक लखोटिया का विशेष आभार व्यक्त किया।

नफरत को नफरत से समाप्त नहीं किया जा सकता : कमल मुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन भवन में शनिवार को राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि खून का रंग हुआ कपड़ा कभी खून से साफ नहीं होता, वैसे ही नफरत को नफरत से तीन काल में भी समाप्त नहीं किया जा सकता है। नफरत परमाणु बम से भी अनंत गुना ज्यादा घातक और खतरनाक है।

उन्होंने कहा कि धर्म आराधना अथवा किसी भी निमित्त से हमारे विचारों में नफरत का निर्माण होता है तो, इंसान शैतान बन जाता है अगले का नुकसान हो या ना हो स्वयं के सब सद्गुण नष्ट हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि नफरत की ज्वाला को नियंत्रित करने के लिए जो भी साधन की जाती वह सबसे महान धर्म है। नफरत को सभी धर्म ने पाप और पतन का कारण बताया है।

मुनि कमलेश ने बताया कि नफरत के वाइब्रेशन का दुष्प्रभाव इंसान तो क्या पशु, पक्षी, और संपूर्ण प्रकृति पर पड़ता है, आत्मा में कर्मों का बंधन होता है। शरीर ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक डिप्रेशन जैसे असाध्य रोगों का शिकार बनता है। पवित्र विचारों की हत्या होती है। महामंत्री डॉ संजय पिंचा ने संचालन किया।

भगवत सेवा करना वैष्णव का परम कर्तव्य है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वाधान में स्थानीय श्री माहेश्वरी भवन परिसर में पावन श्रावण मास में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा तथा भगवान शिवजी के रुद्राभिषेक के पंचम दिवस शनिवार को 75 भक्तों ने शिव अभिषेक किया।

पंडित कमलजी की टीम ने भगवान शंकर का अभिषेक करवाया। गुलाब सुदा, नवल किशोर सुदा, राजन सारडा, मनीष कंधारी, सुरेश चंद्र कोठारी तथा समाज के अन्य गणमान्य सदस्यों ने अभिषेक का लाभ लिया। श्रीमद्भागवत कथा के मुख्य मनोरथी प्रवीण कुमार माहेश्वरी(बिसानी) को मंच पर आमंत्रित कर भागवतजी की पूजा की तथा माल्यार्पण करवाकर वैष्णवाचार्यश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

वैष्णवाचार्य गो. गोवर्धनेशजी महोदयश्री ने कथा में बताया कि भगवान की सेवा करना एवं कथा श्रवण करना प्रत्येक वैष्णव का परम कर्तव्य है। आज कलियुग का समय अनावतार काल है इसीलिए कथा एवं सेवा के द्वारा प्रभु की सेवा एवं सुमरण करते रहना चाहिए। भक्तों के निरोध कराने के कारण प्रभु माखन चोरी करते हैं और उनका मन अपने में लगाते हैं। आत्मघाती जीव को प्रभु कथा में आनन्द नहीं आता है। आज बाल लीला का प्रसंग में पूतना मोक्ष, शकट भंग के साथ गोवर्धन लीला का वर्णन किया कल कथान्तर्गत रुक्मिणी विवाह प्रसंग तक का वर्णन किया जायेगा।

सहसचिव प्रदीप कुमार माहेश्वरी ने पधारे हुए सभी भक्तों स्वागत किया।

जीतो का पगारिया-जेबीएन बिजनेस कॉन्क्लेव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जीतो चेन्नई ने शहर के व्यापार, उद्यमशीलता और नेटवर्किंग के सबसे गतिशील और ऊर्जावान समारोहों में से एक 'पगारिया जेबीएन बिजनेस कॉन्क्लेव 2025' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 'ड डैड एंड डॉटर द्वारा स्टिकर्स इंडिया' और 'प्राइम इंवेंट्स' के साथ प्रस्तुत इस कॉन्क्लेव में एक ही छत के नीचे कई दिग्गज ब्रांड्स, बिजनेस लीडर्स और दूरदर्शी लोग एकत्रित हुए।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्घाटन राजेश चंदन और श्रीजस कोठारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें आकाश कुमार, अंकित सिरोया, कुणाल जैन और समर्पित जेबीएन समिति का मजबूत सहयोग रहा। इसमें जीतो के शीर्षस्थ गणमान्य व्यक्ति डी.के. जैन, जीतेंद्र भंडारी और सोनाली दुगर की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह को दो सम्मानित मुख्य अतिथियों के.टी. श्रीनिवास राजा (एमडी, ए2बी) और डॉ. एसआर सैम पॉल (अध्यक्ष, पॉलसंस ग्रुप) की उपस्थिति ने और भी गौरवान्वित किया।

कुछ ऐसा कार्य करो कि अपनी पहचान बन जाए : समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने शनिवार को प्रवचन के दौरान कहा कि परदेशी राजा की पत्नी सूर्यकांता रानी, जो हर कार्य में निपुण थी उठना, चलना, बोलना, सभी में दक्ष थी उन्होंने अपने जीवन से यह प्रमाणित किया कि जहां स्त्री धर्म से जुड़ी हो, संस्कारों से जुड़ी हो, वहीं सच्चा सौंदर्य है। नारी वह है जो भगवान को जन्म देती है। लेकिन दूसरी ओर ग्रंथों में यह भी कहा गया है कि 'नारी नरक समान है'। धर्म ग्रंथों में नारी समाज को लेकर तरह–तरह के उल्लेख मिलते हैं, परंतु कभी भी मां, बहन या बेटी के बारे में कोई गलत शब्दावली नहीं आई, लेकिन नारी शब्द को लेकर नकारात्मक बातें सामने आई हैं। तो प्रश्न यह उठता है कि जब कोई स्त्री घर से बाहर जाती है तो वह खुद को क्या सोचकर जाती है, मां, बहन या बेटी? यदि सोचकर नहीं जाती, तब वह नारी है। जरूरी है कि यह समझा जाए कि मेरी वेशभूषा कैसी है, मेरी वाणी कैसी है। क्या वह बहन–बेटी जैसी है या नहीं? हमारे कार्य जैसे होते हैं, हमें वैसी ही इज्जत भी मिलती है। हम जैसे भी हैं गोरे, काले पहले खुद को स्वीकार करना सीखें। दूसरों को दिखाने के लिए मेकअप या सजावट मत करो। सजना–संवरना अपने लिए करो, दूसरों के लिए नहीं। वेदों के अनुसार कर्मों का उदय चल रहा है, फिर भी यदि वैसा कर्म नहीं करते तो वही संयम है। कर्म सुख और दुख दोनों के लड्डू हैं। उन्हें खाना या ना खाना परिणाम पर निर्भर करता है। कार्यक्रम में मंच संचालन विनयचंद पावेचा ने किया।

मोक्षमार्ग पर चलने वाला साधक सदैव सावधान रहता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में शनिवार को धर्मसभा में आचार्य श्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज ने कहा कि जिस प्रकार अपनी मंजिल को लक्ष्य बनाकर चलने वाला पथिक रास्ते के विघ्नों से बचता हुआ अंततः मंजिल पर पहुंचता है, उसी प्रकार साधक भी मोक्षमार्ग का राही है। उसकी मंजिल है कर्मों और दुखों से मुक्त होना। आचार्यश्री ने तत्त्वार्थ सूत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि मोक्ष प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति ज्ञान की गहराई, आस्था की दृढ़ता, और सदाचरण की शुद्धता अपनाएं। उन्होंने कहा जो साधक इन तीनों को अपने जीवन में समाहित करता है, वही मोक्ष की दिशा में अग्रसर हो सकता है। प्रवचन के दौरान पंन्यासप्रवर श्री विमलपुण्य विजयजी म.सा. ने श्रद्धालुओं के जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। रात्रि भोजन पर प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि केवल प्रकाश की तीव्रता से हिंसा समाप्त नहीं हो जाती।

आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चूले स्थित आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में दिव्यांगों को निशुल्क कृत्रिम अंगों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त आयकर विभाग डॉ एम मोहन बाबू मुख्यअतिथि रहे। शिविर का आयोजन स्वर्गीय हस्तीमल सुराणा की पुण्य स्मृति में सुराणा परिवार द्वारा किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित दिव्यांगों को दैनिक कार्यों में सहयोग के लिए कल्पेंच, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भेंट किए गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहन एवं मनोज गोलेछा ने दिव्यांगों को शाकाहार अपनाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में प्रवीण टाटिया, राजेंद्र जैन,सुरेश कांकरिया, मोहनलाल कांकरिया, धर्मेंद्र संचेती सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सामायिक साधना आत्मा का टॉनिक है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. का जन्म दिवस 21 जुलाई को श्री जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में जप तप की साधना के द्वारा मनाया जाएगा। कपिल मुनिजी ने शनिवार को प्रवचन में कहा कि इस संसार मे व्यक्ति के लिए धन वैभव, पद–प्रतिष्ठा, मान सम्मान, दौलत–शोहरत का मिलना सहज है मगर संत समागम और जिनवाणी का श्रवण दुर्लभ है। संत समागम से जीवन की धारा बदलती है। सोच और जीवन शैली सम्यक होती है। विपरीत हालातों में इधर उधर भटक कर मन को बहलाया तो जा सकता है मगर समस्या का स्थायी तौर पर समाधान तो मन को बदलने से ही प्राप्त होगा। और मन मे सकारात्मक बदलाव संत समागम और भगवान की वाणी से सहज संभव है। जीवन में शांति का अनुभव करने के लिए समता की साधना अर्थात सामायिक साधना करना बेहद जरूरी है। सामायिक साधना आत्मा का टॉनिक है। जिसकी प्रेरणा जीवन पर्यन्त सामायिक साधना में जीने वाले साधु साध्वी भगवन्त से प्राप्त होती है। अपने इष्टदेव व आलम्देव के स्मरण के लिए जिस प्रकार व्यक्ति के पास समय नहीं है या धर्म के कार्य करने में मन उत्साहित नहीं होता है उससे बड़ा अभागा कोई नहीं है। प्रवचन सभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

स्वाध्याय भवन में पूरे चातुर्मास काल में रात्रि संवर साधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य पूज्यश्री हीराचंद्र म.सा. की नेश्राय में श्रावकों, स्वाध्यायीगणों व युवकों की रात्रि संवर साधना जोधपुर चातुर्मास में गतिमान हैं। श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया, आचार्यश्री की असीम कृपा एवं मार्गदर्शन से स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में दैनिक सामायिक करने वाले साधकों की भावना बनी कि इस वर्ष चार्तुमास काल में प्रतिदिन श्रावक वर्ग का रात्रिकालीन संवर करें। इसके लिए श्रावकों, युवकों, स्वाध्यायी बन्धुवर्गों से अपील गई व सभी के पूर्ण सहयोग से दैनिक रुप से संवर साधना गतिमान हैं। चातुर्मास काल चार महीने लगातार चलेगी। आचार्यश्री के अनंत कृपा करते हुए व्याख्यात्री महासती श्री सुमतिप्रभा म.सा. का चातुर्मास प्रदान किया हैं व किलपाक में स्थित सामायिक स्वाध्याय भवन में चातुर्मास गतिमान हैं।

श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने संघ की ओर से निवेदन किया कि अपनी अनुकूलता अनुसार सप्ताह का कोई भी वार चयन कर लें, और उस दिन वार को पूरे चार्तुमास काल में रात्रि संवर साधना की साधना करें।संवर साधना की सफलता के लिए आर वीरेन्द्र कांकरिया व सुमेर बागमार पूर्ण प्रयास कर रहे हैं।

गर्भ संस्कार अति महत्व : वीरेन्द्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सैदापेट के बाजार रोड स्थित एसएस जैन संघ में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने सपने एवं गर्भ संस्कार के विषय पर बताया।

उन्होंने कहा कि अजितशत्रु राजा ने महारानी के गर्भावस्था में जो सपने देखे उसका विश्लेषण कराया और रानी को इसके शुभ संकेत बताया।

गर्भावस्था में स्त्रियों को हर काम या व्यवहार विवेकपूर्ण करने चाहिए और शांत स्वभाव से रहना चाहिए। हर दिन धर्म कथा पाठ सुनना चाहिए। जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे भी संस्कारित होते हैं, पहले के जमाने में बच्चों को 8 साल की उम्र तक घर में ही सांसारिक एवं संस्कार की शिक्षा दी जाती थी।

संचालन करते हुए सहमंत्री दिनेश बोकड़िया ने प्रवचन के विषय में कहा कि गुरुदेव ने बताया कि पहले के जमाने में बालकों को 72 कलाएं सिखाई जाती थीं और आगे के धार्मिक कार्यक्रम की भी जानकारी भी दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.